मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 106
सोमवार, 27 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला है। यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, हम उस भारत की ओर बढ़ रहे हैं जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था, जो शक्तिशाली और स्वस्थ हो।

उन्होंने कहा, हमारा हर कदम, हर नीति, हर प्रयास देश के गरीब, वंचित और ग्रामीण जनमानस को समर्पित है। हम मानते हैं कि जब भारत का हर नागरिक स्वस्थ होगा तभी भारत सशक्त होगा।

सिंह ने कहा, हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राष्ट्र के नागरिकों का स्वास्थ्य उत्तम होना बहुत जरूरी है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी के लिए गौरव की बात है कि इसे दक्षिण एशिया में रोबोटिक्स सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता मिली है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से मेडिकल प्रशिक्षण और तकनीकी अनुसंधान को नई दिशा देगी।

उन्होंने अस्पताल के एमडी डॉ. पी एन अरोड़ा के संदर्भ में कहा, हम जब भी किसी सफल इंसान की कहानी पढ़ते हैं, आपको यही देखने को मिलेगा कि हर बड़ी यात्रा की शुरूआत किसी न किसी बड़ी व्यक्तिगत पीड़ा से निकलती है।

यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. पी एन अरोड़ा ने 1986 में अपनी माता को कैंसर की वजह से मृत्युशैया पर देखा, उनकी इसी पीड़ा ने यशोदा मेडिसिटी को जन्म दिया।

पीएम मोदी का ऐलान, भारत और आसियान की होगी 21वीं सदी, बदलेंगे वैश्विक समीकरण

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 47वें आसियान शिखर सम्मेलन 2025 को ऑनलाइन संबोधित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि 21वीं सदी भारत और आसियान देशों की है।

उन्होंने दक्षिण पूर्व एशिया के साथ मिलकर एक साझा, सबको साथ लेकर चलने वाला और टिकाऊ भविष्य बनाने के भारत के सपने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' का एक खास हिस्सा है।

शिखर सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा, '21वीं सदी हमारी सदी है। यह भारत और आसियान की सदी है। मुझे यकीन है कि 'आसियान समुदाय विजन 2045' और 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य पूरी इंसानियत (मानवता) के लिए एक बेहतर भविष्य बनाएगा।' उनके इस भाषण में 10 देशों के इस समूह के साथ भारत के बढ़ते रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रिश्तों पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत और आसियान कई क्षेत्रों में, जैसे- आपदा के समय मदद करना, समुद्र की सुरक्षा, और नीली अर्थव्यवस्था, मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि 2026 को 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा। यह हिंद महासागर में दोनों के बीच सहयोग के एक नए दौर की शुरूआत करेगा।

मलेशिया 2025 के लिए आसियान का अध्यक्ष है, और फिलीपींस 2026 में अध्यक्ष होगा। भारत ने 1992 में एक 'क्षेत्रीय संवाद भागीदार' और फिर 1995 में एक 'संवाद भागीदार' के रूप में आसियान के साथ औपचारिक तौर पर जुड़ना शुरू किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से 2022 को छोड़कर सभी आसियान-भारत शिखर सम्मेलनों में भाग लिया है।

कर्नाटक: मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने नवंबर के बाद मंत्रिमंडल फेरबदल के संकेत दिए

कर्नाटक, 26 अक्टूबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को संकेत दिया कि नवंबर के बाद राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा, जब उनकी सरकार अपना आधा कार्यकाल पूरा कर लेगी।

बेलगावी में संवाददाताओं से मुखातिब सिद्धरमैया ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने चार महीने पहले उनसे मंत्रिमंडल का विस्तार करने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने आलाकमान से कहा कि यह प्रक्रिया उनकी सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद की जाएगी।

सिद्धरमैया ने कहा, एक बार इस पड़ाव पर पहुंच जाने के बाद मैं उनके साथ विचार-विमर्श करूंगा और उनके मार्गदर्शन के अनुसार आगे बढ़ूंगा। नयी दिल्ली की 16 नवंबर की अपनी निर्धारित यात्रा के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मुख्य रूप से पूर्व कांग्रेस नेता और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की एक किताब के विमोचन के लिए है। उन्होंने कहा, यात्रा के दौरान मैं पार्टी आलाकमान से भी मिलूंगा। राज्य के प्रशासन और मौजूदा घटनाक्रम के बारे में उन्हें जानकारी देना हमारा कर्तव्य है।

कोरापुट कॉफी सचमुच स्वादिष्ट, ओडिशा का गौरव है: प्रधानमंत्री मोदी

ओडिशा, 26 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कोरापुट की कॉफी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह गर्म पेय पदार्थ वास्तव में स्वादिष्ट है और ओडिशा का गौरव है। मोदी ने मन की बात में कहा, चाय के साथ मेरा जुड़ाव तो आप सभी जानते ही हैं, लेकिन आज मैंने सोचा कि मन की बात में क्यों न कॉफी पर चर्चा की जाए। आपको याद होगा, बीते साल मैने मन की बात में अराकू कॉफी पर बात की थी।

मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले ओडिशा के कई लोगों ने उनसे कोरापुट कॉफी को लेकर भी अपनी भावनाएं साझा की थीं। उन्होंने कहा कि लोगों ने उन्हें पत्र लिखकर कहा कि मन की बात में कोरापुट कॉफी पर भी चर्चा की जाए। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे बताया गया है कि कोरापुट कॉफी का स्वाद गजब होता है, और इतना ही नहीं, स्वाद तो स्वाद, कॉफी की खेती भी लोगों को फायदा पहुंचा रही है।

उन्होंने कहा कि कोरापुट में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपने जुनून की वजह से कॉफी की खेती कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि वे लोग अच्छी-खासी नौकरी करते थे, लेकिन वो कॉफी को इतना पसंद करते हैं कि इस क्षेत्र में लग गए और अब सफलता से इसमें काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसी कई महिलाएं भी हैं, जिनके जीवन में कॉफी से सुखद बदलाव हुआ है। कॉफी से उन्हें सम्मान और समृद्धि, दोनों हासिल हुई है। सच ही कहा गया है : कोरापुट कॉफी अत्यंत सुस्वादु। एहा ओडिशार गौरव।

उन्होंने कहा कि भारतीय कॉफी दुनिया भर में बहुत लोकप्रिय हो रही है, और कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल जैसे राज्यों का जिक्र किया जहां कॉफी की खेती की जाती है। मोदी ने कहा, भारतीय कॉफी की विविधता वाकई अद्भुत है।

मध्यप्रदेश देश का शीर्ष टमाटर उत्पादक राज्य बना : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य समर्थित प्रोत्साहन योजनाओं के कारण पैदावार में हुई वृद्धि के कारण मध्यप्रदेश देश का शीर्ष टमाटर उत्पादक राज्य बन गया है।

मध्य प्रदेश सरकार के बयान के अनुसार, किसानों ने उत्साहपूर्वक नकदी फसल उत्पादन को अपनाया है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और घरेलू खाद्य आवश्यकताओं को पूरा किया है। यादव ने शनिवार को कहा, मध्यप्रदेश देश में टमाटर उत्पादन में नंबर एक है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत, टमाटर की खेती पर आधारित लघु उद्योगों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। यादव ने कहा कि सरकार टमाटर के बीज पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह सब्सिडी किसानों को बड़ा सहारा दे रही है। इस योजना का लाभ उठाकर, हमारे किसान भाई आत्मनिर्भर बन रहे हैं और समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं।

गलवान के बाद भारत-चीन सीधी उड़ानें बहाल, खत्म हुआ 5 साल का गतिरोध

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। भारत और चीन के बीच सीधी वाणिज्यिक उड़ानें पांच साल से भी ज्यादा समय के बाद आधिकारिक तौर पर फिर से शुरू हो गई हैं। भारत स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता यू जिंग ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, 'चीन और भारत के बीच सीधी उड़ानें अब एक वास्तविकता हैं।' इस घोषणा के साथ ही, आज कोलकाता से ग्वांगझू के लिए पहली उड़ान रवाना हुई।

भारतीय एयरलाइन इंडिगो कोविड-19 महामारी के बाद चीन के लिए सेवा फिर से शुरू करने वाली पहली एयरलाइनों में से एक बन गई है। इंडिगो ने 2 अक्टूबर को घोषणा की थी कि वह 26 अक्टूबर, 2025 से एयरबस A320neo विमानों का उपयोग करके कोलकाता और ग्वांगझू के बीच रोजाना नॉनस्टॉप उड़ानें शुरू करेगी। 9 नवंबर से शंघाई और नई दिल्ली के बीच हर हफ्ते तीन उड़ानें भी शुरू होंगी। 11 अक्टूबर को इंडिगो ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि दिल्ली और ग्वांगझू के बीच रोजाना सीधी उड़ानें 10 नवंबर से शुरू होंगी, जिससे दोनों देशों के बीच संपर्क और मजबूत होगा। इन मार्गों से हाल के वर्षों में बाधित हुए व्यापार, पर्यटन और व्यावसायिक संबंधों को फिर से स्थापित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें कोविड-19 महामारी और जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से निलंबित थीं। यह झड़प दशकों में सबसे घातक सीमा टकरावों में से एक थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक और आर्थिक संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। उड़ानों की बहाली अक्टूबर 2024 में दोनों पक्षों द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौता किए जाने के बाद हुई है, जिसे सीमा तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले की जांच का जिम्मा संभाला

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने करूर में अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी टीवीके की एक रैली के दौरान भगदड़ मचने से संबंधित मामले की जांच का जिम्मा संभाल लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की एक विशेष टीम तमिलनाडु के करूर में स्थित वेलुसामीपुरम में घटनास्थल का दौरा कर चुकी है। सत्ताइस सितंबर को विजय रैली के दौरान भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 60 से अधिक व्यक्ति घायल हुए थे।

फिर सांसों पर भारी पड़ा सैलिब्रेशन!

दीवाली पर पटाखेबाजी फिर दिल्ली-एन.सी.आर. की सांसों पर भारी पड़ी। त्यौहारों के जरिए वोट बैंक का खेल खेलने वाले राजनीतिक दलों के आंकड़ों को नजरअंदाज कर दें, तो भी इस साल दिल्ली में दीवाली पर प्रदूषण चार साल के टॉप पर पहुंच गया। सरकार की पहल पर सर्वोच्च न्यायालय ने इस बार दीवाली पर दो घंटे हरित पटाखे चलाने की अनुमति देकर अमल सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकारी तंत्र पर छोड़ दी थी। तय समय रात आठ से 10 बजे तक का था,पर पटाखेबाजी शाम छह बजे शुरू हो कर आधी रात के बाद तक जारी रही। वायु प्रदूषण में सबसे खतरनाक माना जाने वाला पी.एम. 2.5 का स्तर दिल्ली के कई इलाकों में 1700 के भी पार चला गया। दीवाली की अगली सुबह पी.एम. 2.5 का स्तर 212 प्रतिशत तक बढ़ गया। वायु प्रदूषण केंद्रों का डेटा हर पंद्रह मिनट पर अपडेट किया जाता है लेकिन दीवाली की रात कुछ केंद्रों पर ऐसा नहीं किया गया, जिससे उठने वाले स्वाभाविक प्रश्न अनुत्तरित हैं। दिल्ली के 26 में से 23 निगरानी केंद्रों पर पटाखेबाजी का शोर भी सीमा से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ। दरअसल प्रदूषण का रिकॉर्ड स्तर हरित पटाखे की अवधारणा और अमल पर भी सवालिया निशान लगाता है। नीति आयोग के पूर्व सी.ई.ओ. अमिताभ कांत की यह टिप्पणी बहुत कुछ कह देती है कि सुप्रीम कोर्ट की समझदारी ने पटाखे जलाने के अधिकार को जीने और सांस लेने के हक पर प्राथमिकता दी है। सरकारी वकील ने अपने अंदर के बच्चे की इच्छा बताते हुए दीवाली सैलिब्रेशन के लिए सुप्रीम कोर्ट से पटाखेबाजी की अनुमति मांगी थी। बेशक सर्वोच्च न्यायालय ने सावधानीपूर्वक सशर्त अनुमति दी लेकिन उन शर्तों की खुले आम धज्जियां उड़ाई गईं। फिर भी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को इस साल की दीवाली की रौनक, आभा, जगमगाहट अलग दिखी और ऐसे शानदार सैलिब्रेशन पर वह आत्ममुग्ध हैं। आश्चर्य नहीं कि मुख्य विपक्षी दल आप उनकी सरकार पर लोगों के स्वाथ्य से खिलवाड़ करने के आरोप लगा रही है। दिल्ली सरकार के मंत्री भी अलग-अलग सुरों में बोल रहे हैं। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा दिल्लीवालों को जिम्मेदारी से दीवाली मनाने का प्रमाणपत्र दे रहे हैं तो शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली वालों के गैर-जिम्मेदाराना रवैये को जिम्मेदार ठहराते हुए माना है कि अगर सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन किया जाता तो इतना प्रदूषण नहीं होता। एन.सी.आर. के अन्य शहरों के हालात भी बेहतर नहीं रहे। कहीं-कहीं तो और भी बदतर पाए गए। दीवाली पर पटाखेबाजी से वायु प्रदूषण दिल्ली-एन.सी.आर. तक ही सीमित नहीं रहा। कानपुर, लखनऊ, पटना, भोपाल, जयपुर और चंडीगढ़ तक धुंध की मोटी परत छाई रही।

ए.क्यू.आई. आंकड़े बताते हैं कि कमोबेश पूरा उत्तर भारत ही गैस चैंबर में तबदील हो गया पर आयुष्मान भारत के नारे के बावजूद जन स्वास्थ्य की सामान्य चिंता भी व्यवस्था के चेहरे और चाल में कहीं नजर नहीं आती। यह ज्यादा चिंताजनक इसलिए भी है क्योंकि हर साल दिल्ली-एन.सी.आर. इन्हीं दिनों सांसों के इसी संकट से गुजरता है, जब पटाखेबाजी को ही प्रकाश पर्व दीवाली का असली सैलिब्रेशन मानने वालों की कारगुजारियों की कीमत बच्चों और बुजुर्गों को कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी मुश्किलों से चुकानी पड़ती है। स्कूल तो अक्सर बंद कर ही दिए जाते हैं,हर साल चिकित्सक सलाह देते हैं कि कुछ दिन के लिए दिल्ली ही छोड़ जाएं, वरना बिना मास्क घर से बाहर न निकलें। कुछ दिनों तक सैर आदि भी घर के अंदर ही करें। इस सलाह पर कितने लोग अमल कर पाते हैं? यह उनकी परिस्थितियों पर निर्भर करता है,पर इस संकट के स्थायी समाधान की सोच कहीं नजर नहीं आती। वैसे जहरीली हवा खिड़की, दरवाजों से भी घर के अंदर तक पहुंचती ही है। जनता की सांसों पर गहराते संकट के समाधान के लिए सरकार के पास विभिन्न चरणों में प्रतिबंधों के अलावा कोई योजना नजर नहीं आती। ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान के तहत पहले ग्रैप-वन और फिर ग्रैप-टू के प्रतिबंध दिल्ली में लागू किए जा चुके हैं। वायु प्रदूषण के साथ-साथ ये प्रतिबंध भी बढ़ते जाएंगे। नतीजतन दिल्ली और एन.सी.आर. के लोग दोहरी मार झेलने को मजबूर होंगे। इस साल अप्रत्याशित रूप से कथित हरित पटाखे दो घंटे जलाने की अनुमति देने वाला सर्वोच्च न्यायालय पिछले साल विवेकहीनता और निष्क्रियता के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी फटकार लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि शुद्ध हवा न मिलना प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने के लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन है, पर इस अधिकार का साल-दर-साल हनन करने के लिए जिम्मेदार लोगों को सही मायने में दंडित कौन करेगा? इन दिनों बढ़े वाले वायु प्रदूषण में पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली का बड़ा योगदान बताया जाता है। उससे निपटने के प्रयासों के दावे भी राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं, पर वांछित परिणाम नजर नहीं आते। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए बना आयोग भी जिम्मेदारी के निर्वाह में नाकाम नजर आता है। सुप्रीम कोर्ट भी जानता है और सरकारें भी कि दिल्ली निवासियों को साल में गिने-चुने दिन ही स्वच्छ हवा नसीब होती है, वरना तो वे अस्वस्थकर हवा में ही सांस लेने को अभिशप्त हैं। -राज कुमार सिंह

नई पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की मांग कर रही भारतीय वायुसेना

पिछले एक दशक में, भारतीय वायुसेना (आई.ए.एफ.) लगातार नई पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की मांग कर रही है। अब जब मिग-21 को सेवा से हटा दिया गया है तो वायुसेना के लड़ाकू स्क्वाड्रन की संख्या उसकी स्वीकृत क्षमता से 70 प्रतिशत कम रह गई है। स्वदेशी निर्माण और अंतरराष्ट्रीय खरीद में देरी को ही इस ह्रासकाल कमीह का कारण बताया गया है। 17 अक्टूबर को, महाराष्ट्र के नासिक में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) के परिसर में लगभग 800 लोग लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस एम.के1ए. की पहली उड़ान देखने के लिए एकत्र हुए। रनवे के किनारों पर खड़े लोगों ने देखा कि जब रूस में बने सुखोई एस.यू.-30 और नए तेजस एम.के1ए. ने आकाश में उड़ान भरी। कुछ करतब दिखाने के बाद विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की। इस उड़ान को तेजस का बपतिस्मा कहा गया। दोनों ओर खड़े दर्शक पानी की तोपों से विमान का पारंपरिक स्वागत कर रहे थे। 26 सितंबर को, चंडीगढ़ एयरफोर्स स्टेशन से 1,300 किलोमीटर दूर, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने मिग-21 बाइसन की आखिरी उड़ान देखी। उस समय दो अन्य विमान भी साथ उड़ान भरे। यह मिग-21 के विदाई समारोह का प्रतीकात्मक क्षण था। वायुसेना के स्क्वाड्रन नंबर 23 और 28 ने अपने विमान की विस्तृत लॉगबुक फार्म 700 को सौंप दिया। जिसमें एयर चीफ मार्शल सिंह के जीवनकाल तक की प्रत्येक मरम्मत, निरीक्षण और रखरखाव का विवरण है जो 1963 से उड़ान भर रहे लड़ाकू विमान की आधिकारिक तौर पर सेवानिवृत्ति का प्रतीक है। अपने अंतिम मिग-21 स्क्वाड्रन 23 पैंथर्स और नंबर 3 कोबरा की सेवानिवृत्ति के साथ जो कुल मिलाकर 36 जेट विमानों का संचालन करते थे, भारतीय वायुसेना के पास 42 स्वीकृत क्षमता के मुकाबले 29 लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं। यह 1960 के दशक के बाद से सबसे कम है। मिग युग का अंत : मिग-21 विमानों की सेवानिवृत्ति के बाद वायुसेना के पास अब 29 लड़ाकू स्क्वाड्रन बचे हैं। नया तेजस विमान पुराने मिग-21 की जगह लेने वाला है लेकिन देरी के कारण भारतीय वायुसेना में एक महत्वपूर्ण अंतराल उत्पन्न हो गया। मौजूदा तेजस एम.के.1ए. विमान कुछ वर्षों तक सेवा में रहेंगे, जब तक अगली पीढ़ी के विमान तैयार नहीं हो जाते। विशेषज्ञों का कहना है कि तेजस विमान बनाना भारत जैसे देशों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है लेकिन चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में उत्पादन अभी भी धीमा है। मिग की विरासत : मिग-21 के सेवा से हटने के साथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिग की विरासत देश में स्वदेशी विमानों के निर्माण को प्रेरित करेगी। भारतीय वायुसेना द्वारा मिग-21 का निर्माण 1967 में शुरू हुआ था, जब तत्कालीन सोवियत संघ से लाइसेंस ट्रांसफर किया गया था। भारत में 872 मिग-21 बनाए गए। 1980 के दशक में स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट परियोजना शुरू हुई ताकि इन विमानों को प्रतिस्थापित किया जा सके। एच.ए.एल.के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डी.के.सुनील ने कहा,ह्रहमारा ध्यान पूरी तरह एलसीए एम.के.1ए.कार्यक्रम पर है। पूर्व वायुसेना कमांडर-इन-चीफ एयर मार्शल दिलीप कुमार पटनायक ने कहा, अब स्वदेशी विमान और इंजन समाधान भारत की शीर्ष प्राथमिकता होनी चाहिए। तेजस एम.के.1ए का डिजाइन 4 से 4.5 पीढ़ी के विमान के समान है। हालांकि एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम में देरी और समयसीमा की चुनौतियां बनी हुई हैं। भारतीय वायुसेना का ध्यान केंद्रित: तेजस का पहला संस्करण 2001 में वायुसेना में शामिल हुआ। वर्तमान में, तेजस के 40 विमान वायुसेना के 45वें फ्लाइंग डैगर स्क्वाड्रन सूलर एयर फोर्स स्टेशन में सेवा दे रहे हैं। तेजस एम.के1ए जिसे उन्नत राडार और बेहतर इलैक्ट्रॉनिक प्रणाली से लैस किया गया है, फरवरी में पहली बार सामने आया। एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने कहा कि एच.ए.एल.अपने कार्यक्रम में देरी से जूझ रहा है। वर्तमान में एच.ए.एल.को जी.ई. एयरोस्पेस से इंजन प्राप्त होने लगे हैं जो जी.ई. 404 आई.एन. 20 इंजन मिल रहे हैं। योजना के अनुसार 83 एम.के.1ए. विमान 2029 तक सौंपे जा सकते हैं। अतिरिक्त 97 विमानों के लिए जी.ई. से बातचीत अंतिम चरण में है। वायुसेना की चुनौतियां और भविष्य की तैयारी : वायुसेना प्रमुख ने कहा, संतुलन बनाए रखने के लिए हमें हर साल लगभग दो स्क्वाड्रन (30 विमान) की आवश्यकता है। यह कमी तुरंत पूरी नहीं की जा सकती। पिछले साल तक, वायुसेना ने 36 राफेल विमानों की तैनाती पूरी कर ली थी। लेकिन 2020 के बाद से कोई नया लड़ाकू विमान नहीं जोड़ा गया। भविष्य में, भारत एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट पर काम कर रहा है जो 5वीं पीढ़ी का स्टील्थ विमान होगा। इसकी पहली उड़ान अगले 5 वर्षों में होने की उम्मीद है।

-सौरभ त्रिवेदी

एक पर्व नहीं है महापर्व है छठ पूजा

-रमेश सर्राफ धमोरा

27 अक्टूबर छठ पूजा पर विशेष

दिवाली के बाद छठ पूजा का त्योहार बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान घर से लेकर घाटों तक बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। छठ पूजा की शुरूआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है और समापन सप्तमी तिथि पर होता है। इस दौरान छठी मैया की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस व्रत को निर्जला किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसर छठी मैया की उपासना और व्रत करने से संतान को दीघार्यु का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

छठ पूजा भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है।उत्तर प्रदेश और बिहार में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो पूरे देश में धूम-धाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्ध्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है।

हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है। जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं, मॉरिशस, त्रिनिडाड, सुमात्रा, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं।

छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते है। व्रत के पहले दिन को नहा-खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से गृहिणियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं।

ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पूर्वोत्तर भारत के लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है।

छठ पूजा का व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख प्राप्त होता है।छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशिर्वाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है।

छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकलकर गढ़ गंगा में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं।

छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावॉइलट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर-परिवार की सुख- समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है।

लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा।

एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरूआत महाभारत काल में सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे मे एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब दौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था।

महापर्व छठ हिंदू धर्म में एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। पर्व का प्रारंभ नहाय-खाय से होता है, जिस दिन व्रती स्नान कर अरवा चावल, चना दाल और कद्दू की सब्जी का भोजन करते हैं। नहाय-खाय के दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी के दिनभर व्रती उपवास कर शाम में रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस पूजा को खरना कहा जाता है। इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को उपवास रखकर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। अगले दिन यानी सप्तमी तिथि को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करके व्रत तोड़ा जाता है। छठ पूजा के व्रत को जो भी रखता है। वह इन दिनों में जल भी नही ग्रहण करता है। इस व्रत को करने से सुख-समृद्धि और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस पूजा वैसे तो मुख्य रुप से सूर्य देवता की पूजा की जाती है। लेकिन साथ ही सूर्य देव की बहन छठ देवी की भी पूजा की जाती है। जिसके कारण इस पूजा का नाम छठ पूजा पड़ा। इस दिन नदी के तट में पहुंचकर पुरुष और महिलाएं पूजा-पाठ करते है। साथ ही छठ माता की पूजा को आपके संतान के लिए भी कल्याणकारी होती है।

जन सुराज : वैकल्पिक राजनीति का नया दर्शन?

-तनवीर जाफरी

पूरे देश की निगाहें इस समय बिहार विधान सभा के होने जा रहे आम चुनावों पर लगी हुई हैं। इन चुनावों में जहां देश व राज्य के अनेक पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दल चुनाव मैदान में सत्ता अथवा विपक्ष के किसी न किसी गठबंधन के साथ मिलकर बिहार का 'भाग्य बदलने' के नाम पर खुद अपना भाग्य आजमा रहे हैं वहीँ इस बार के चुनाव में पहली बार 'जन सुराज पार्टी ' नामक एक नया राजनैतिक दल भी बिहार की राजनीति में अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है।'जन सुराज पार्टी ' जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। और इससे भी बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित,बुद्धिजीवी,पूर्व नौकर शाह,पूर्व आई ए एस,आई पी एस,वैज्ञानिक,गणितज्ञ तथा शिक्षाविद हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा,उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की जरुरत ही नहीं।

बहरहाल इस नये नवेले राजनैतिक दल 'जन सुराज पार्टी ' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं। पूर्व में वे संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में आठ वर्षों तक कार्य कर चुके हैं। देश के विभिन्न राजनैतिक दलों को अपनी रणनीति का लोहा मनवाने के बाद मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी योग्यता का प्रयोग सर्वप्रथम अपने ही राज्य के विकास के लिये करने का निर्णय लिया और 2022 में बिहार की जनता को जागरूक करने व उन्हें उनकी व पूरे राज्य की बदहाली के मूल कारणों से अवगत कराने के मकसद से बिहार में 'जन सुराज अभियान' चलने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद ही उन्होंने राज्य में लगभग 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा भी की। इस पदयात्रा के दौरान उन्होंने राज्य की आम जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। इसी 'जन सुराज अभियान' से ही उनके नये राजनैतिक दल का नाम 'जन सुराज पार्टी' निकला।

बहरहाल देश के बड़े से बड़े राजनैतिक दिग्गजों के लिये रणनीति तैयार करने वाले प्रशांत किशोर स्वयं अपने लिये कैसी सफल रणनीति बना रहे हैं उसी का परिणाम है कि उन्हें न केवल 'गोदी मीडिया' भी पूरी तवज्जोह दे रहा है बल्कि वे सत्ता व विपक्षी महागठबंधन के दागदार नेताओं पूर्व की उनकी असफल नीतियों यहाँ तक कि राज्य की बदहाली तक के लिये इसी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन व महागठबंधन के दलों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। राज्य के विकास के लिये प्रशांत किशोर मुफ़्त की रेवड़ियों या शराब बंदी जैसी नीतियों को नहीं बल्कि केवल शिक्षा को ही पहली जरुरत मान रहे हैं। राज्य की सभी 243 सीटों के लिये अपने पहले चुनाव में योग्य व शिक्षित प्रत्याशी उतारना बल्कि कई सीटों पर तो अनेक योग्य उम्मीदवारों द्वारा चुनाव लड़ने के लिये एक साथ दावा पेश किया जाना भी प्रशांत किशोर की चुनावी रणनीति की बड़ी सफलता है।

वे सोशल मीडिया पर भी अन्य राजनैतिक दलों से अधिक छाये हुये हैं। उन्होंने विभिन्न टीवी चैनल्स व यू ट्यूबर्स को अब तक जितने साक्षात्कार दे डाले हैं उतने तो शायद सत्ता व विपक्ष के नेताओं ने भी अब तक नहीं दिये। वे अपने साक्षात्कार में अपने विरोधी दलों के अनेक नेताओं को बेनकाब कर उनकी आपराधिक व शैक्षिक पृष्ठभूमि को उजागर कर रहे हैं। प्रशांत किशोर बड़े ही स्पष्ट अंदाज में बिहार की बदहाली व पिछड़ेपन के लिये जहाँ पूर्व की सत्ता व नेताओं को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं वहीँ राज्य के उन मतदाताओं को भी आइना दिखा रहे हैं जो मुफ़्त के राशन अथवा धर्म जाति के नाम पर वोट कर भ्र्ष्ट व अयोग्य उम्मीदवारों का चुनाव करती रही है। राजनैतिक विश्लेषक हालांकि बिहार के चुनावी रण में 'जन सुराज पार्टी' के उतरने को लेकर तरह तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि 'जन सुराज पार्टी' भी असदुदीन ओवैसी की ए आई एम आई एम की ही तरह राज्य में वोट काटने वाली पार्टी साबित होगी और इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा। जबकि कुछ का मानना है कि केवल एन डी ए ही नहीं बल्कि जन सुराज पार्टी विपक्षी महागठबंधन को भी नुकसान पहुंचाएगी। उधर प्रशांत किशोर अपना सीधा मुकाबला सत्ता रूढ़ एन डी ए से ही बता रहे हैं परन्तु साथ ही उनका यह भी कहना है कि चुनाव परिणाम ही फैसला करेंगे कि उनकी पार्टी अर्श पर होगी या फर्श पर। जबकि राजनैतिक विश्लेषकों का एक वर्ग ऐसा भी है जो 'जन सुराज पार्टी' की तुलना आम आदमी पार्टी से करते हुये इसके वर्तमान तेवर के साथ ही संभावित भविष्य को भी देख रहा है।

जो भी हो मगर अपनी योग्यता का लोहा मनवाने के बाद अपने कुशल रणनीतिकार के पेशे को त्यागकर अपनी ही कमाई गयी पूँजी को दांव पर लगाकर बिहार व बिहार वासियों के भविष्य की चिंता में राज्य की गली गली में धूल मिट्टी व कीचड़ में घूमकर राज्य की खुशहाली की बातें करना वह भी बिना किसी धर्म जाति व समुदाय की बात किये हुये तथा बिना मुफ़्त की रेवड़ी की लालच दिये, अपने आप में ही बड़ी बात है। वह भी उस बिहार राज्य में जोकि गरीबी के साथ साथ अपनी जातिवादी राजनीति के लिये भी प्रसिद्ध हो ? इसमें कोई शक नहीं कि देश को शिक्षित,ज्ञानवान,राष्ट्र हितकारी,धर्म व सम्प्रदाय व जाति से ऊपर उठकर सोचने वाले तथा स्वच्छ छवि रखने वाले नेताओं की जरुरत है। आज यदि कोई अनपढ़,अज्ञानी व साम्प्रदायिकतावादी व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बन जाये कोई अपराधी व्यक्ति देश का गृह मंत्री या मुख्य मंत्री बन जाये अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा मंत्री बन जाये कोई लुच्चा,लफंगा,बलात्कारी,गैंगस्टर हमारा जनप्रतिनिधि बन जाये तो इससे बढ़कर शर्मिन्दिगी व वैश्विक स्तर पर बदनामी की बात हमारे देश के लिये और क्या हो सकती है ?

यदि भारतीय राजनीति का वातविक चेहरा इतना भयावह व दागदार न होता तो केंद्रीय विद्युत व ऊर्जा मंत्री आर के सिंह को पिछले दिनों अपनी ही पार्टी भाजपा के प्रत्याशी व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व मोकामा से जेडीयू की ओर से एनडीए उम्मीदवार व बाहुबली नेता अनंत सिंह का नाम लेते हुये राज्य की जनता के नाम यह वीडिओ सन्देश जारी न करना पड़ता जिसमें उन्होंने दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए मतदाताओं से अपील की थी कि -'अपराधी या भ्रष्टाचार के आरोपी सम्राट चौधरी व अनंत सिंह जैसे उम्मीदवारों को वोट न दें, भले ही वे किसी की जाति के हों।' उन्होंने इसी सन्देश में यह सुझाव भी दिया कि यदि सभी उम्मीदवार ऐसे हैं, तो NOTA दबाएं। आर.के. सिंह ने यहां तक कहा कि ऐसे उम्मीदवार को वोट देने का अर्थ है चुल्लू भर पानी में डूब मरनाः। इसीलिये रसातल में जा रही राजनीति के वर्तमान दौर में यह सोचना पड़ रहा है कि जन सुराज पार्टी क्या वैकल्पिक राजनीति का नया 'दर्शन' साबित हो सकेगा ?

आई और डीपफेक की चुनौतीः नवाचार को रोके बिना जवाबदेही कैसे सुनिश्चित करें

- डॉ. सत्यवान सौरभ

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज के युग की सबसे प्रभावशाली और परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक बन चुकी है। यह हमारे जीवन के हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी है – शिक्षा, चिकित्सा, संचार, मनोरंजन और प्रशासन तक। लेकिन तकनीक जितनी तेजी से बढ़ी है, उतनी ही तीव्रता से उसके दुरुपयोग की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। इन्हीं में से एक गंभीर चुनौती है – ह्लडीपफेकह्व और ह्लसिंथेटिक मीडियाह्व का प्रसार। डीपफेक का अर्थ है ऐसी ऑडियो, वीडियो या छवि जो एआई की मदद से इस तरह बनाई जाती है कि वह पूरी तरह वास्तविक प्रतीत होती है। किसी व्यक्ति का चेहरा बदल देना, उसकी आवाज की हूबहू नकल करना या किसी घटना का झूठा वीडियो तैयार करना – अब कुछ ही मिनटों का काम रह गया है। इस तकनीक के माध्यम से किसी के खिलाफ फर्जी वीडियो बनाना, राजनीतिक प्रचार में झूठ फैलाना, या किसी महिला की तस्वीर से छेड़छाड़ करना अत्यंत आसान हो गया है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में, जहाँ सोशल मीडिया का प्रभाव करोड़ों नागरिकों तक है, डीपफेक का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। कुछ सेकंड का झूठा वीडियो समाज में अविश्वास, नफरत या भ्रम फैला सकता है। यह केवल नैतिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बनता जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस चुनौती का कोई संतुलित समाधान संभव है? क्या तकनीक को रोका जाए या उसके साथ जिम्मेदारीपूर्वक चलना सीखा जाए? यही प्रश्न आज के डिजिटल भारत के सामने सबसे बड़ा नीति-संकट बन गया है।

भारत सरकार ने इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए हाल में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के माध्यम से एक महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने सिंथेटिक सामग्री की अनिवार्य लेबलिंग का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत यदि कोई सामग्री कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बनाई गई है या उसमें एआई का हस्तक्षेप हुआ है, तो उसे एआई जनित या सिंथेटिक के रूप में स्पष्ट रूप से चिन्हित करना होगा। इस कदम का उद्देश्य है पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना, ताकि उपयोगकर्ता यह जान सके कि जो वह देख या सुन रहा है, वह असली है या कृत्रिम रूप से निर्मित। प्रस्तावित नियमों के अनुसार, वीडियो में ऐसा लेबल दृश्यमान रूप से दिखना चाहिए, ऑडियो में शुरूआती हिस्से में इसे सुनाई देना चाहिए और छवियों में भी यह टैग या वॉटरमार्क के रूप में मौजूद रहना चाहिए। यह नीति नवाचार को रोकने के लिए नहीं, बल्कि समाज में भरोसा कायम रखने के लिए है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सामग्री निमार्ताओं के लिए यह नियम न केवल कानूनी दायित्व बनेगा बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी। सरकार का कहना है कि इस कदम से उपयोगकर्ता स्वयं निर्णय ले सकेगा कि वह किस सामग्री को विश्वसनीय माने और किसे नहीं। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी क्रिएटर या प्लेटफॉर्म यदि जानबूझकर बिना लेबल की एआई जनित सामग्री प्रसारित करेगा, तो उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। यह पहल भारत को वैश्विक स्तर पर एक जिम्मेदार डिजिटल राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत कर सकती है, क्योंकि अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में भी ऐसी नीतियों पर विचार चल रहा है।

सिंथेटिक सामग्री की लेबलिंग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह पारदर्शिता लाती है और नागरिकों को सूचित निर्णय लेने की क्षमता देती है। जब किसी वीडियो या चित्र पर यह स्पष्ट लिखा हो कि यह एआई जनित है, तो दर्शक उसे पूरी तरह वास्तविक मानने की गलती नहीं करेगा। इससे फेक न्यूज, अफवाहों और राजनीतिक दुष्प्रचार के प्रसार पर नियंत्रण पाया जा सकता है। यह लेबलिंग प्रणाली एक प्रकार का डिजिटल सावधानी संकेत बन जाएगी, जो लोगों को भ्रामक सामग्री से बचने में मदद करेगी। इसके अलावा यह कदम उन क्रिएटर्स के लिए भी उपयोगी है जो जिम्मेदारी से एआई का प्रयोग करना चाहते हैं। जब हर सामग्री को स्पष्ट रूप से चिन्हित करना आवश्यक होगा, तो कोई भी व्यक्ति बिना जिम्मेदारी लिए गलत उद्देश्य से एआई का उपयोग नहीं कर पाएगा। इससे नैतिक डिजिटल वातावरण का निर्माण होगा। साथ ही, यह नीति तकनीकी उद्योग के लिए भी अवसर लेकर आएगी – क्योंकि इससे ऐसे नए टूल्स, डिटेक्शन सिस्टम और एथिकल एआई तकनीकों की मांग बढ़ेगी जो यह सुनिश्चित करें कि कौन-सी सामग्री एआई जनित है और कौन-सी नहीं। परंतु यह कहना भी आवश्यक है कि इस नीति की सफलता केवल सरकार के नियमों पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि समाज की डिजिटल साक्षरता पर भी। यदि नागरिक स्वयं एआई तकनीकों की प्रकृति को नहीं समझेंगे, तो लेबल का अर्थ उनके लिए मात्र एक औपचारिकता बन जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि लेबलिंग के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता अभियान भी चलाए जाएँ ताकि आम लोग सच और कृत्रिमता में फर्क करना सीख सकें।

हालाँकि इस नीति का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़ी कई व्यावहारिक चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि आखिर सिंथेटिक सामग्री की परिभाषा क्या होगी। आज अधिकांश डिजिटल सामग्री मिश्रित रूप में होती है – जहाँ कुछ हिस्सा मानव द्वारा बनाया जाता है और कुछ एआई द्वारा। क्या ऐसी सामग्री भी पूरी तरह एआई जनित मानी जाएगी? इसके अलावा, यह तकनीकी रूप से बहुत कठिन है कि हर अपलोड होने वाली सामग्री का निरीक्षण किया जाए और यह प्रमाणित किया जाए कि उसमें एआई का उपयोग हुआ है या नहीं। भारत जैसे विशाल देश में, जहाँ हर दिन करोड़ों वीडियो, छवियाँ और ऑडियो फाइलें सोशल मीडिया पर अपलोड होती हैं, वहाँ मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग एक दुष्कर कार्य है। दूसरा, छोटे और मध्यम स्तर के क्रिएटर्स तथा स्टार्टअप्स के लिए यह नियम आर्थिक बोझ बन सकता है। यदि लेबलिंग की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल या महंगी होगी, तो नवाचार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। तीसरा, इस नीति से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी प्रश्न उठ सकते हैं। कोई कलाकार यदि एआई का उपयोग केवल रचनात्मक प्रयोग के रूप में करता है, तो क्या उसे भी कठोर नियमों का पालन करना होगा? इसलिए यह जरूरी है कि नीति में लचीलापन हो और उसे विषय-वस्तु की प्रकृति के अनुसार लागू किया जाए। उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों – जैसे राजनीति, चुनाव, सामाजिक या धार्मिक मुद्दों – में सख्त नियम लागू किए जाएँ, जबकि कला, शिक्षा या अनुसंधान के क्षेत्र में थोड़ी छूट दी जाए।

अंततः यह स्पष्ट है कि डीपफेक और एआई जनित सामग्री केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट भी है। सिंथेटिक मीडिया की अनिवार्य लेबलिंग इस दिशा में एक आवश्यक और दूरदर्शी कदम है। इससे न केवल नागरिकों को सुरक्षा मिलेगी बल्कि डिजिटल दुनिया में विश्वास भी पुनः स्थापित होगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि एआई को नियंत्रित कर नवाचार को बाधित किया जाए। आवश्यकता इस बात की है कि नवाचार और जवाबदेही के बीच संतुलन बना रहे। एआई का उद्देश्य मानवता की सेवा है, न कि भ्रम फैलाना या समाज में अविश्वास पैदा करना। इसलिए सरकार, तकनीकी कंपनियों, क्रिएटर्स और नागरिक समाज – सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का उपयोग पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से हो। डिजिटल साक्षरता, नैतिक दिशानिर्देश, और निरंतर संवाद इस प्रक्रिया के तीन प्रमुख स्तंभ होने चाहिए। साथ ही, नियमों की समीक्षा समय-समय पर की जाए ताकि वे तकनीकी प्रगति के अनुरूप बने रहें। यदि भारत इस नीति को विवेक, संवेदनशीलता और संतुलन के साथ लागू करता है, तो यह न केवल देश के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित करेगा, बल्कि दुनिया के सामने जिम्मेदार एआई शासन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करेगा। डीपफेक से उपजी चुनौती का उत्तर दमन नहीं, बल्कि समझदारी और नैतिक तकनीकी नीति है। यही दृष्टिकोण भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में वास्तविक नेतृत्व प्रदान कर सकता है – ऐसा नेतृत्व जो सत्य, पारदर्शिता और मानवता पर आधारित हो।

मुरबे गांव में रात के अंधेरे में ड्रोन, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के पालघर तहसील अंतर्गत स्थित मुरबे गांव में बीती रात ड्रोन के जरिए किए जा रहे संदिग्ध सर्वे की आशंका को लेकर ग्रामीणों में भारी दहशत फैल गई है। इस घटना से गांव के लोग भयभीत हैं और उन्होंने सातपाटी सागरी पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कर तुरंत जांच की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार यह घटना 24 अक्टूबर 2025 की रात लगभग 11:30 बजे से 1:30 बजे के बीच की है। इस दौरान तीन से चार बड़े आकार के ड्रोन गांव और आसपास के इलाके में उड़ते देखे गए। ग्रामीणों का कहना है कि ड्रोन की आवाज काफी तेज थी और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वे गांव के अंदरूनी हिस्सों तथा आसपास के क्षेत्रों की वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी कर रहे थे। रात के सन्नाटे में हुई इस गतिविधि से ग्रामीणों में भय और असमंजस का वातावरण पैदा हो गया। घटना के बाद से गांव में यह चर्चा जोरों पर है कि इन ड्रोन का संबंध संभवतः जिंदाल (जे एस डब्ल्यू) पोर्ट प्रोजेक्ट से हो सकता है और इनके माध्यम से इलाके में बिना अनुमति सर्वेक्षण किया जा रहा है। हालांकि इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर ऐसा है तो यह न सिर्फ गोपनीयता का उल्लंघन है, बल्कि कानूनन भी गंभीर अपराध है। ग्रामस्थों ने पुलिस प्रशासन से इस पूरे मामले की सख्त जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि पुलिस यह पता लगाए कि ड्रोन कहां से उड़ाये गये, किसके निर्देश पर उड़ाये गये और उनका असली उद्देश्य क्या था। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने इस मामले में तत्परता नहीं दिखाई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर होंगे। ग्रामीणों की इस शिकायत के बाद अब स्थानीय पुलिस पर यह जिम्मेदारी है कि वह इस रहस्यमय ड्रोन सर्वे की सच्चाई सामने लाये, ताकि गांव में फैली आशंका व डर समाप्त हो सके।

ठाणे में 114 साल की महिला का निधन, परिवार ने महाराष्ट्र की सबसे बुजुर्ग महिला होने का दावा किया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कोपारीगांव की रहने वाली विथाबाई दामोदर पाटिल का शनिवार सुबह 114 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने दावा किया कि विथाबाई, महाराष्ट्र की सबसे बुजुर्ग महिला थीं। विथाबाई के परिवार के अनुसार, उनका जन्म 1911 में कल्याण के पास शिलगांव में हुआ था। विथाबाई इतनी अधिक उम्र होने के बावजूद हर चुनाव में मतदान करने के लिए जानी जाती थीं। उनके बेटे दिलीप पाटिल ने कहा, हर साल वह (विथाबाई) घोड़े पर सवार होकर मतदान केंद्र पहुंचती थीं। कतार में खड़े मतदाता उनका अभिवादन करते थे और पत्रकार उनकी तस्वीरें खींचते थे। विथाबाई के पोते ने बताया, वह आगामी ठाणे नगर निगम चुनाव में वोट देना चाहती थीं, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।ह्व विथाबाई के छह बच्चे, छह बहुएं, पोते-पोतियां और परपोते-परपोतियां हैं। परिवार के सदस्यों ने बताया कि बढ़ती उम्र के बावजूद विथाबाई की याददाश्त बहुत अच्छी थी।

सस्ती दर पर अमेरिकी डॉलर देने का झांसा देकर एक व्यक्ति से तीन लाख रुपये की ठगी

मुंबई। मुंबई निवासी एक व्यक्ति को सस्ती दर पर अमेरिकी डॉलर देने का झांसा देकर तीन लोगों ने उससे कथित तौर पर तीन लाख रुपये ठग लिए। नवी मुंबई पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। रबाले पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जालसाजों ने 18 से 20 अक्टूबर के बीच अलग-अलग मोबाइल नंबरों से मुंबई के कांदिवली निवासी 33 वर्षीय व्यक्ति से संपर्क किया और उसे सस्ती दरों पर अमेरिकी डॉलर देने की पेशकश की।

अधिकारी ने बताया कि उन्होंने नवी मुंबई के घणसोली इलाके में पीड़ित से तीन लाख रुपये लिए लेकिन वादे के अनुसार उसे अमेरिकी डॉलर नहीं दिए। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया। शिकायत के आधार पर 23 अक्टूबर को नवी मुंबई में रबाले पुलिस थाना में तीनों जालसाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 381(4) (धोखाधड़ी) और 3(5) (सामान्य इरादा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले में जांच जारी है।

टाटा एआईए का नया प्लान - 'शुभ फॅमिली प्रोटेक्ट' ऐसी जीवन सुरक्षा जिसमें आपके परिवार के भविष्य के लिए एकमुश्त और नियमित आय दोनों को एकसाथ लाया गया है

मुंबई/पटना। भारत की एक प्रमुख जीवन बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड ने प्रस्तुत किया है नया टाटा एआईए शुभ फॅमिली प्रोटेक्ट। यह टर्म प्लान पारंपरिक टर्म प्लान की तुलना में अनूठा और क्रांतिकारी है, जो आपको तत्काल एकमुश्त पेआउट और 30 सालों तक लचीली मासिक आय दोनों देता है। परिवारों को व्यापक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया, यह इस तरह का पहला प्लान है और उन लोगों के लिए बनाया गया है जो अस्थिरता में मन की शांति को खोना नहीं चाहते। किसी प्रियजन की अचानक मृत्यु गहरा भावनिक आघात पहुंचाती है और ऐसे में अगर वित्तीय बोझ भी उठाना पड़ें तो पूरा जीवन बुरी तरह से प्रभावित होता है। ऐसी स्थिति जब स्पष्टता और स्थिरता सबसे ज्यादा जरूरी होती है, तब अक्सर परिवारों पर एकमुश्त भुगतान का बहुत बड़ा दबाव आ पड़ता है और कुछ भी मैनेज कर पाना काफी ज्यादा कठिन होता है। टाटा एआईए का शुभ फॅमिली प्रोटेक्ट इस चुनौती को समझता है और एक ऐसा समाधान प्रदान करता है, जिसे बहुत ही सोच-समझकर बनाया गया है।

हिन्दू राष्ट्र सेवा संगठन महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के को बड़ी संख्या में लोगों ने दी शतायु होने की शुभकामना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर के युवा समाजसेवक और हिन्दू राष्ट्र सेवा संगठन महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के का जन्मदिन शनिवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, प्रशासनिक अधिकारियों और व्यापारी वर्ग के लोगों ने राजा भाऊ सोनटक्के को उनके जन्मदिन के अवसर पर शतायु होने की शुभकामना दी।

बता दें कि मृदुभाषी, मिलनसार, समाज के सभी वर्गों में लोकप्रिय राजा भाऊ सोनटक्के छात्र जीवन से ही गरीबों, पीड़ितों की हरसंभव मदद करते आ रहे हैं। यही वजह है कि उनके जन्मदिन के अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें शतायु होने की शुभकामना दी। राजाभाऊ सोनटक्के को बधाई वालों में प्रमुख रूप से दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी द्विवेदी जी, मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वयं रोजगार विभाग के महासचिव डॉ सत्तार खान, वरिष्ठ पत्रकार हरीशचंद्र पाठक, वरिष्ठ पत्रकार आनंद श्रीवास्तव, त्रिलोक विवेचना के संपादक संदीप त्रिलोकीनाथ शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार राकेश शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार सुभाष गिरी, वरिष्ठ पत्रकार संजय गिरी, पत्रकार अजय उपाध्याय लंदन में इंजीनियर ए. के. पाठक, पत्रकार राम मधुकर माली सहित बड़ी संख्या में चेंबूर के व्यापारी और बुद्धिजीवियों ने बधाई दी है।

उत्तर शक्ति ट्रस्ट कोर कमेटी की बैठक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 25 अक्टूबर दिन शनिवार को दोपहर 1:00 बजे उत्तर शक्ति संघ के जन संपर्क कार्यालय स्टार चेम्बर्स सोसायटी, सेनापति बापट मार्ग, दादर वेस्ट मुंबई में एक अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक में सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, रोजगार एवं स्वास्थ्य संबंधित जैसे गंभीर बीमारियों से जूझने वाले एवं अन्य प्रदेशों से आने वाले मरीजों को कैसे सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्हें कम से कम खर्च में इलाज कराया जाए, अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में, ओमप्रकाश प्रजापति, डॉ शेषधर बिंद, सुरेंद्र यादव, उमेश जैसवार, सुनील कुमार पाल, मंगीता कनौजिया व कल्लू गुप्ता सहित सभी पदाधिकारीगण एवं सदस्य मौजूद रहे।

लोगों ने दी विधायक दिलीप मामा लांडे को जन्मदिन की बधाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदीवली विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय कार्यसम्राट विधायक दिलीप मामा लांडे का जन्मदिन कुर्ला स्थित काजूपाड़ा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक को शुभकामनाएं देने के लिए बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास पाठक, जेएमडी ग्रुप के चेयरमैन हरीशनाथ पांडेय, समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह, शिवसेना नेता राजेश सिंह,दिनेश सिंह तथा पत्रकार संतोष पाठक, दानिश सिंह सहित अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उपस्थित होकर विधायक लांडे को अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चार बंगले गुरुद्वारा में इस बार भी गूंजेगी सेवा और श्रद्धा की मिसाल - गुरु नानक जयंती पर लाखों श्रद्धालु होंगे शामिल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 13 अप्रैल 1967 को स्थापित यह गुरुद्वारा सरदार सिंह सूरी जी की प्रेरणा और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने लगातार 45 वर्षों तक इस गुरुद्वारे के संस्थापक और अध्यक्ष के रूप में सेवा की। उनके बाद उनके पुत्र सरदार जसपाल सिंह सूरी ने पिछले 10 वर्षों से अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी निभाई है, और अब उनका पौत्र मनिंदर सिंह सूरी भी गुरुद्वारे के कार्यों की कमान संभाल रहे हैं। हर वर्ष एक लाख से अधिक श्रद्धालु गुरु नानक जयंती के अवसर पर इस गुरुद्वारे में माथा टेकने पहुंचते हैं। यह मुंबई का एकमात्र गुरुद्वारा है जहां साल के 365 दिन, रोजाना दो बार लंगर की सेवा की जाती है। प्रतिदिन करीब 2,000 लोग लंगर ग्रहण करते हैं, वहीं रविवार को यह संख्या 5,000 से अधिक हो जाती है।

इस वर्ष 5 नवम्बर को गुरु नानक जयंती के अवसर पर लगभग 70,000 श्रद्धालुओं के लंगर प्रसाद ग्रहण करने की संभावना है। गुरु नानक जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों की शुरूआत 24 अक्टूबर से प्रभात फेरियों के साथ शुरू हुई और 1 नवम्बर तक चलेगी। 2 नवम्बर की शाम 6 बजे भव्य नगर कीर्तन निकाला जाएगा जो लोखंडवाला बैक रोड से फोर बंगले गुरुद्वारे तक पहुंचेगा। 3 नवम्बर की सुबह से अखंड पाठ का शुभारंभ होगा जो 5 नवम्बर को संपन्न होगा। सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा में भी यह गुरुद्वारा अग्रणी है। मनिंदर सिंह सूरी के नेतृत्व में गुरुद्वारे ने पंजाब के तीन बाढ़ग्रस्त गांवों को गोद लिया है। वहां किसानों को बीज, डीजल और विवाह जैसी आवश्यक मदद दी गई है। विश्व के कई प्रसिद्ध कीर्तनिये (भजन गायन करने वाले कलाकार) इस गुरुद्वारे में कीर्तन कर चुके हैं। गुरुद्वारा प्रबंधन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस बार भी गुरु नानक जयंती के पर्व में शामिल होकर सेवा, श्रद्धा और मानवता के इस उत्सव का हिस्सा बनें।

सीमा पोतदार को मिली बड़ी जिम्मेदारी, पालघर महिला जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद पर नियुक्त

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सीमा पोतदार को पालघर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर जिलेभर में हर्ष की लहर दौड़ गई है। उनके इस मनोनयन पर पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के निष्ठावान कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने सीमा पोतदार का पुष्पगुच्छ व शॉल देकर अभिनंदन किया तथा आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में पालघर जिले में महिला कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा। इस अवसर पर कई वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने कहा कि सीमा पोतदार का सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान व महिला सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ही उन्हें इस पद के लिए योग्य बनाती है। पदभार ग्रहण के बाद श्रीमती पोतदार ने कहा कि मैं महाराष्ट्र महिला कांग्रेस कमेटी का आभार व्यक्त करती हूं। यह दायित्व मुझे महिलाओं की आवाज को सशक्त करने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की प्रेरणा देगा। इस नियुक्ति से पालघर जिला कांग्रेस में नया उत्साह और जोश देखने को मिल रहा है।

कल्याण में विभिन्न विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के पूर्व शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ के आग्रह पर सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नगरीय सुविधा विशेष निधि से 50 लाख रुपये की निधि मंजूर हुई है। इस निधि से, विजय नगर अमराई नया पैनल क्रमांक 15 के अंतर्गत नगरीय सुविधा कार्य का नारियल तोड़कर भूमिपूजन किया गया।

मंजूर हुई 50 लाख रुपये की निधि में से, 25 लाख रुपये की निधि से वार्ड क्रमांक 100 में श्रीराम चॉल और न्यू निसर्ग चॉल के बीच नाला और रास्ते का निर्माण किया जाएगा, शेष 25 लाख रुपये की निधि का उपयोग जिला परिषद स्कूल के सामने नगरपालिका उद्यान का सौंदर्यीकरण के साथ-साथ बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खेल उपकरण उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा। इस दौरान महेश गायकवाड़ ने कहा कि शिवसेना पार्टी केवल चुनाव को ध्यान में रखकर काम नहीं करती, बल्कि शिवसेना का काम निरंतर चलता रहता है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी चुनाव पैनल प्रणाली के अनुसार हो रहे हैं, इसलिए जनता को अधिक जागरूकता दिखानी चाहिए और काम करने वाली पार्टी के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। इस मौके पर सारिका महेश गायकवाड, सुजाता शिंदे, मिना मुठे, प्रशांत बोटे, शंकर पाटील, सुमेध हुमणे, कृष्णा पाटील, प्रशांत आमिन. सहित परिसर के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महिला डॉक्टर आत्महत्या केस में आरोपी सब-इंस्पेक्टर और इंजीनियर गिरफ्तार, न्याय की आस

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक महिला सरकारी डॉक्टर की कथित आत्महत्या के मामले में आरोपी पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने को शनिवार शाम गिरफ्तार कर लिया गया। इससे कुछ ही घंटे पहले, इस मामले के सह-आरोपी सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर को भी पुणे से गिरफ्तार किया गया था।

डॉक्टर का शव गुरुवार रात फलटण कस्बे के एक होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला था। वह मध्य महाराष्ट्र के बीड जिले की रहने वाली थीं और सतारा जिले के एक सरकारी अस्पताल में तैनात थीं।

डॉक्टर ने अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में दो लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया। डॉक्टर ने पीएसआई गोपाल बदाने पर उसके साथ कई मौकों पर बलात्कार करने का आरोप लगाया। जांच के दौरान नाम सामने आने के बाद सब-इंस्पेक्टर बदाने को सेवा से निलंबित कर दिया गया था।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर पर डॉक्टर ने मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पुलिस के अनुसार, बनकर उस घर के मकान मालिक का बेटा है जहां डॉक्टर किराए पर रहती थीं। पुलिस ने बताया कि बनकर ने आत्महत्या करने से पहले कथित तौर पर डॉक्टर को फोन किया था और उससे बातचीत की थी।

सतारा जिले के फलटण में दोनों आरोपियों के खिलाफ बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

सतारा के एसपी तुषार दोशी ने पुष्टि की कि पीएसआई बदाने फलटण ग्रामीण पुलिस स्टेशन पहुंचे और आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं, सह-आरोपी प्रशांत बनकर को पुणे से गिरफ्तार करने के बाद सतारा जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। शुक्रवार रात डॉक्टर का बीड के वडवानी तहसील स्थित उनके पैतृक निवास पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके रिश्तेदार इस मामले में आरोपियों के लिए मृत्युदंड की मांग कर रहे हैं। एक रिश्तेदार ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने कई बार उत्पीड़न की शिकायत की थी, लेकिन उनकी शिकायतों का समाधान नहीं किया गया।

एक अन्य रिश्तेदार ने दावा किया कि पीड़िता जिस उप-जिला अस्पताल में काम करती थी, वहां उसे मेडिकल रिपोर्ट बदलने के लिए राजनीतिक लोगों और पीएसआई द्वारा दबाव डाला जाता था, क्योंकि वह नियमित रूप से पोस्टमार्टम ड्यूटी पर रहती थीं। महिला के दो चचेरे भाई, जो खुद भी डॉक्टर हैं, ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन ने उसे परेशान करने के लिए ही पोस्टमार्टम की ड्यूटी सौंपी थी।

भाजपा विधायक सुरेश धास ने मांग की है कि जिस सांसद ने कथित तौर पर महिला डॉक्टर पर दबाव बनाने की कोशिश की थी, उसे भी मामले में आरोपी बनाया जाए, हालांकि उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया। परिवार के अनुसार, डॉक्टर एमडी कोर्स करने की तैयारी कर रही थीं और उनके चाचा ने बताया कि एमबीबीएस कोर्स के लिए लिया गया 3 लाख रुपये का कर्ज अभी तक चुकाया नहीं गया था।

किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा, सतारा के डॉक्टर की आत्महत्या पर बोले महाराष्ट्र सीएम

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को एक युवा डॉक्टर की आत्महत्या पर दुख व्यक्त किया, जिसने एक पुलिस अधिकारी पर आत्महत्या करने से पहले कई बार उसके साथ बलात्कार करने का आरोप लगाया था। फडणवीस ने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है कि एक युवा डॉक्टर ने अपनी जान देने से पहले इस तरह अपना दर्द बयां किया। यह हम सभी के लिए बेहद दुखद है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कल संबंधित पुलिस अधिकारियों को तुरंत निलंबित कर दिया और गिरफ़्तारियाँ भी शुरू हो गई हैं। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।फडणवीस ने राजनीतिक दलों से इस त्रासदी का राजनीतिक फायदा उठाने से बचने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मेरा मानना ??है कि विपक्ष को इस संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी एक युवा डॉक्टर द्वारा अपनी हथेली पर सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या करने के बाद आई है।

उसने पिछले पाँच महीनों में उक्त पुलिस सब-इंस्पेक्टर और तकनीकी विशेषज्ञ पर बलात्कार और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह घटना भाई दूज की रात को हुई, जब डॉक्टर को फलटण (सतारा) के एक प्रसिद्ध होटल के बंद कमरे में रात करीब 10:30 बजे मृत पाया गया। बदने ने मेरे साथ चार बार बलात्कार किया। उसने पाँच महीने से ज्यादा समय तक मुझे बलात्कार, मानसिक और शारीरिक शोषण का शिकार बनाया।

उन्होंने चार पन्नों का एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है जिसमें उन्होंने एक सांसद पर आरोप लगाया है कि जब उन्होंने झूठा मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने से इनकार किया तो उन्होंने उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से धमकाया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामलों में आरोपियों के लिए फर्जी फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने का दबाव उन पर डाला गया था। इस पत्र में पुलिस अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर किए गए उत्पीड़न और दबाव का विवरण दिया गया है और एक मामले में तो एक सांसद और उनके निजी सहायकों द्वारा भी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

दो करोड़ 25 लाख 55 हजार की लागत से बनने वाले शाहगंज रोडवेज डिपो का कार्य अधर में लटका

अधूरे निर्माण और समय से कार्य न पूरा करने वाले ठेकेदार और फर्म को दिया गया है नोटिसः विधायक

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कई दशकों से जर्जर हाल में स्थानीय रोडवेज डिपो को उस समय उम्मीद जगी जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी। सरकार बनने के कुछ समय बाद ही उम्मीदों तब पंख लग गए। जब नव निर्वाचित निषाद पार्टी और भाजपा के गठबंधन प्रत्याशी रमेश सिंह ने जीत हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री से मिलकर रोडवेज डिपो के लिए 2 करोड़ 25 लाख 55 हजार का बजट पास करवा लिया उसके बाद टेंडर आदि प्रकिर्या होने के बाद निर्माण कार्य जारी हो गया।जिसमें पूरे रोडवेज बिल्डिंग सहित परिसर का नवीनी करण होना था। मगर निर्धारित समय 25 जून 2025 के बीत जाने के बाद भी निर्माण पूरा नही हो सका। अब आरएएम सहित अन्य कार्यालय जर्जर कार्यालय में काम करते नजर आते हैं जहां कभी भी दुर्घटना हो सकती है।

कार्यदाई संस्था ने क्या कहा: जब इस सम्बंध में कार्यदाई संस्था के एक जिम्मेदार ने बताया की निर्माण कार्य लगभग पूरा है बस बाउंड्री नही हुई है जिसका कोर्ट से स्टे है।अगर स्टे हट जाता है तो निर्माण कार्य जल्द पूरा हो सकता है।

विधायक रमेश सिंह ने कहा: शाहगंज विधान सभा के निषाद पार्टी के विधायक रमेश सिंह ने कहा की मामला संज्ञान में हैं ठेकेदार और कार्यदाई संस्था को समय से निर्माण कार्य न पूरा करने का नोटिस जारी कर दिया गया है।

राष्ट्रवादी नौजवान सभा के सदस्यों ने घाटों की किया साफ-सफाई

छठ महापर्व पर व्रती महिलाओं की सुविधा के लिए नदी के घाटों से अवशेषों को किया गया बाहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। छठ महापर्व पर व्रती महिलाओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए रविवार की सुबह राष्ट्रवादी नौजवान सभा के कार्यकर्ताओं ने संगठन के संस्थापक पूर्व सांसद धनंजय सिंह के निर्देश पर विभिन्न घाटों की साफ-सफाई अभियान चलाया। कार्यकर्ताओं ने झाड़ू लगाकर घाटों से कचरे और पूजा-पाठ के अवशेषों को हटाया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह ने कहा कि संगठन का उद्देश्य सिर्फ सेवा नहीं, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और संवेदना की भावना को जीवित रखना है। जरूरतमंदों की मदद, असाध्य रोगियों के इलाज, और युवाओं के स्वास्थ्य एवं एकता को बनाए रखने के लिए समय-समय पर विभिन्न सामाजिक और खेलकूद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिला अध्यक्ष रत्नदीप शर्मा ने कहा कि संगठन प्रदेश भर में निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाकर गरीब और अस्वस्थ लोगों के इलाज की व्यवस्था करता है। वहीं प्रमोद शुक्ला ने कहा कि आकस्मिक दुर्घटनाओं या प्राकृतिक आपदाओं में संगठन के सदस्य पीड़ित परिवारों की तत्काल सहायता कर उनके संबल बनते हैं।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रवादी नौजवान सभा समय-समय पर पेड़-पौधों का रोपण, नदियों-तालाबों की सफाई, बुजुर्गों की सेवा, छात्र-छात्राओं की मदद और नशा उन्मूलन जैसे सामाजिक कार्य करती है। संगठन का उद्देश्य संविधान की भावना के अनुरूप राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सांझी विरासत को सुरक्षित रखना है। इस दौरान प्रमुख रूप से राणा सिंह, अनुभव मिश्रा, भोला सिंह, रमेश बिंद, इब्राहिम खान, दुर्गेश सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विंध्याचल दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो की ट्रक से भिड़ंत, पति-पत्नी समेत तीन की मौत

मौके पर मची चीख पुकार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के गांधौना गांव के पास रविवार देर रात श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो और ट्रक की जोरदार भिड़ंत में पति-पत्नी समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल श्रद्धालुओं को पुलिस ने तत्काल सीएचसी रामपुर पहुंचाया, जहां से हालत नाजुक देखते हुए उन्हें भदोही जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

आलोक, मृतक और गुड़िया

जानकारी के अनुसार बोलेरो सवार सभी श्रद्धालु विंध्याचल दर्शन कर अयोध्या लौट रहे थे। जैसे ही वाहन गांधौना गांव स्थित पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से भिड़ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे में आलोक वर्मा, गुड़िया वर्मा और फूला देवी की मौत हो गई, जबकि अभिराम, सुभाष और मंजू गंभीर रूप से घायल हो गई, हालत नाजुक देखते हुए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

सूचना मिलते ही रामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार और जमालापुर चौकी प्रभारी सुरेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। ग्रामीणों के अनुसार टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। हादसे के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया।

स्काउट का उद्देश्य नागरिकों को राष्ट्र सेवा के लिए तत्पर रखना हैः डॉ.रणजीत सिंह

स्काउट गाइड प्रशिक्षण के प्रथम सोपान का हुआ समापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करंजाकला विकासखंड अंतर्गत मां दुर्गा जी हायर सीनियर सेकंडरी सिद्दीकपुर विद्यालय में आयोजित स्काउट गाइड प्रशिक्षण के प्रथम सोपान समापन सत्र के तीसरे दिन शनिवार को कार्यक्रम का समापन हुआ। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन करके सरस्वती वंदना के उपरांत अतिथियों को माल्यार्पण एवं स्कार्फ अलंकरण करके स्वागत किया गया।

इस अवसर पर प्रार्थना, झंडागीत, स्काउट गाइड के नियम, प्रतिज्ञा, ताली, पोस्टर, रंगोली एवं टेंट निर्माण के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा गांठ-फांस बंधन, प्राथमिक सहायता के बारे में भी बताया गया। जिला मुख्य आयुक्त डॉ. रणजीत सिंह ने कहा कि स्काउट का मुख्य उद्देश देश के नागरिकों में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना है। उन्होंने बताया कि

स्काउट गाइड लोगों को राष्ट्र सेवा के प्रति तत्पर रहना सिखाता है। कहा कि यह प्रकृति और ईश्वर से मानव को जोड़ने का काम करता है। देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करना, दूसरों की सहायता करना और स्काउट के नियम का पालन समाज सेवा का आधार है। सीबीएसई कोऑर्डिनेटर एवं प्रधानाचार्य डॉ अशोक कुमार सिंह ने कहा कि स्काउट से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। प्रशिक्षक अंबुज सिंह, निसार अहमद ने बच्चों को जानकारी दी। जिला आयुक्त एडल्ट रिसोर्स एवं गाइड प्रभारी नुशरत सुल्तान ने कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने में सहयोग किया। भी अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन आयुक्त राकेश कुमार मिश्र ने किया। विद्यालय के डायरेक्टर सूर्यांश सिंह ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

भगवान भाष्कर के दर्शन में रोड़ा बनेंगे पुलों पर लगे होर्डिंग्स-बैनर

- सूर्यास्त एवं सूर्योदय पर अर्घ्य देने में महिलाओं को होगी दिक्कत
- प्रभारी मंत्री के न लगाने के निर्देश के बाद भी लगे हैं तमाम बैनर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बिहार का सबसे महत्वपूर्ण पर्व डाला छठ इस समय देश का सबसे बड़ा त्योहार लगभग हो गया है जिसको लेकर बिहार, उत्तर प्रदेश के अलावा अब महाराष्ट्र, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली सहित अन्य प्रदेशों में भी इसकी महत्ता काफी बढ़ गयी है। यही कारण है कि इस पर्व को लेकर जहां तमाम स्वयंसेवी संगठनों के लोग आगे आ गये हैं, वहीं जिला एवं पुलिस प्रशासन भी काफी गम्भीर हो गया है।

गम्भीरता का आलम यह है कि सूबे के कैबिनेट मंत्री एवं जौनपुर के प्रभारी मंत्री अरविन्द शर्मा स्वयं जौनपुर आकर गोमती नदी के घाटों का निरीक्षण किये। इतना ही नहीं, जिला, पुलिस एवं नगर पालिका प्रशासन को सख्त निर्देश भी दिये कि किसी प्रकार की कमी या लापरवाही एकदम नहीं होनी चाहिये। उनके सख्त निर्देश का आलम यह है कि जहां घाट पर अच्छी सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था की जा रही है, वहीं मेला सम्बन्धित अन्य सुविधाओं को भी सुदृढ़ किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि गोमती नदी के किनारों के अलावा नदी पर बने पुलों पर किसी प्रकार का कोई होर्डिंग्स आदि नहीं लगना चाहिये, ताकि सूर्यास्त एवं सूर्योदय के समय निराजल रहकर गोमती नदी में खड़ी होकर पूजा—पाठ करने वाली महिलाओं को

कोई दिक्कत न हो। उनके निर्देश का पालन करते हुये पालिका प्रशासन द्वारा जबर्दस्त अभियान चलाकर वहां लगे तमाम होर्डिंग्स, बैनर आदि को हटवा दिया गया।

हास्यास्पद बात यहां यह है कि जहां पालिका प्रशासन द्वारा तमाम होर्डिंग्स, बैनर आदि हटवाया गया, वहीं जनपद के तमाम वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों का काफी संख्या में होर्डिंग्स, बैनर आदि लग गये हैं जिसके चलते पूरा सद्भावना पुल पट गया है। ऐसे में सूर्यास्त एवं सूर्योदय के समय अर्घ्य देने वाली व्रती महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिये।

इस बाबत पूछे जाने पर पिछले 2 दिनों से चार दिवसीय अनुष्ठान के बाबत बेदी बनाकर घाट पर रहने वालों का कहना है कि पुल पर लगाये गये होर्डिंग्स, बैनर आदि से सूर्यास्त एवं सूर्योदय के समय अर्घ्य देने में बहुत दिक्कत होगी। दुनिया जानती है कि भगवान भाष्कर का सूर्यास्त पश्चिम की तरफ होता है जिसके चलते शाही पुल पर लगने वाले होर्डिंग्स, बैनर आदि से हनुमान घाट, गोपी घाट तो सद्भावना पुल पर लगने वाले होर्डिंग्स, बैनर आदि से केरारवीर घाट से 27 अक्टूबर दिन सोमवार की शाम को अर्घ्य देने वाली महिलाओं को दिक्कत होगी।

इसी तरह 28 अक्टूबर दिन मंगलवार की सुबह सूर्यादय के समय उपरोक्त दोनों पुल के बगल में स्थित विसर्जन घाट, भामा शाह घाट, गूलर घाट से अर्घ्य देकर 4 दिवसीय अनुष्ठान का समापन करने वाली व्रती महिलाओं को काफी दिक्कत होगी। बता दें कि इस समय भगवान भाष्कर के सूर्यास्त का समय लगभग 5.15 बजे से 5.30 बजे तक है। इसी तरह सूर्योदय का समय 6 बजे से 6.15 बजे तक अनुमानित किया जा रहा है लेकिन पुलों पर पटे होर्डिंग्स, बैनर आदि के चलते 36 घण्टे तक निराजल व्रत रहने वाली माताओं को आधे से पौने घण्टे तक और पानी में खड़ा होना पड़ेगा, क्योंकि जब तक वह सूर्यदेव को नहीं देखेंगी तब तक अर्घ्य नहीं देंगी। जब तक अर्घ्य नहीं देंगी, तब तक वह नदी से बाहर नहीं निकलेंगी। ऐसे में उनको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा जिसकी ओर शासन एवं प्रशासन का ध्यान अवश्य जाना चाहिये।

छठ पर्व पर शोहदों को चेतावनी, एंटी रोमियो टीम का बाजार में भ्रमण

महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने बढ़ाई चौकसी

मो.असलम खान

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। छठ पर्व के मौके पर नगर और आस-पास के बाजारों में महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। इसी क्रम में एंटी रोमियो टीम ने रविवार को केराकत बाजार में भ्रमण कर शांति व्यवस्था का जायजा लिया।

टीम ने बाजार क्षेत्र में संदिग्ध रूप से घूम रहे युवकों को समझाया और छठ त्यौहार के दृष्टिगत शोहदों को चेतावनी कार्ड देकर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। टीम ने लोगों से अपील की कि वे त्योहार के दौरान शालीन व्यवहार बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

एंटी रोमियो टीम ने बाजार में खरीदारी करने आई महिलाओं और बच्चियों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा संबंधी जानकारी भी दी। टीम ने कहा कि छठ पर्व पर किसी प्रकार की अशांति या उत्पात बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस दौरान एंटी रोमियो उप निरीक्षक बबन सिंह, हेड कांस्टेबल संजय सिंह, महिला कांस्टेबल अनुपमा सिंह व आशा, तथा होमगार्ड जवान रामविलास यादव के साथ अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

राजीव तलवार फिर हुए गिरफ्तार

छठ पूजा के दौरान अराजकता फैलाने व पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और जान से मारने की धमकी का आरोप

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। छठ पूजा के पावन अवसर पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात पुलिस टीम ने सिविल लाइन पुलिस लाइन गेट के पास अराजकता फैलाने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अभियुक्त राजीव तलवार, जो स्वयं को ₹उल्लू टीवी₹ का पत्रकार बताता है, ने राहगीरों के साथ अभद्र व्यवहार किया और पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंकने का प्रयास किया। इस घटना से क्षेत्र में भय और अराजकता का माहौल बन गया, जिसके चलते दुकानदारों को अपनी दुकानें बंद करनी पड़ीं।

घटना के दौरान, उप-निरीक्षक हरिकेश कुमार राय, चौकी प्रभारी सिविल लाइन, अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। राजीव तलवार ने न केवल राहगीरों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया ' बल्कि पुलिस कर्मियों को भद्दी गालियां दीं और उन पर हमला करने की कोशिश की। उसने पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की और स्वयं को पत्रकार बताते हुए जान से मारने की धमकी दी। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने अपनी जान जोखिम में डालकर अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार अभियुक्त राजीव तलवार पुत्र प्रद्युम्न नारायण सिंह, निवासी राहुल नगर मडया, थाना कोतवाली नगर, आजमगढ़, उम्र 38 वर्ष, के खिलाफ पहले भी कई धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

खुटहन पुलिस ने छेड़खानी व जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन पुलिस द्वारा छेड़खानी करने वाले व विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने से सम्बन्धित 01 वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया गया। वादिनी द्वारा परिजनों के साथ उपस्थित थाना आकर प्रार्थना पत्र बावत विपक्षीगण द्वारा वादिनी को पकड़कर छेड़छाड़ करना मना करने पर गाली गलौज देते हुए मारने पीटने व जान से मारने की धमकी देने के संबंध मे दाखिल किया कि दाखिला तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 -277/25 धारा 75/115(2)/352/351(3) बी0एन0एस0 बनाम , आलम पुत्र अली अहमद नि0 धमउर खास थाना खुटहन जौनपुर ,इसरार पुत्र इसहाक नि0 मित्तूपुर उसरहा थाना जलालपुर जनपद अम्बेडकर नगर पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तारी का विवरणः दिनांक 26.10.2025 को उ0नि0 होरिल यादव मय हमराह द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त के सम्बन्ध में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि अभियुक्त इमामपुर चट्टी पर खड़ा है किसी वाहन का इंतजार कर रहा है कहीं जाने की फिराक में है। मुखबिर की सूचना पर व्यक्ति के पास पहुच कर एकबारगी दबिश देकर मौके पर ही खड़े व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पूछताछ पर व्यक्ति की पहचान आलम पुत्र अली अहमद निवासी ग्राम धम्मौर खास थाना खुटहन जौनपुर के रुप में हुई, तस्दीक होने पर हिरासत पुलिस में लेकर थाना स्थानीय पर लाकर अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही किया जा रहा है।

चलती ट्रेन में पटाखा फोड़ने से मची भगदड़, एक युवक की मौत

अमृत भारत एक्सप्रेस में हुआ बड़ा हादसा

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। बस्ती अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन में पटाखा फोड़ने की लापरवाही एक युवक की मौत का कारण बन गई। ट्रेन में जुगाड़ से बनी पटास बंदूक से पटाखा फोड़ने के बाद युवक नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद पुलिस ने दो यात्रियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। जांच में ट्रेन के अंदर पटाखा फोड़ने की पुष्टि भी हुई है और पुलिस ने पटास बंदूक बरामद कर ली है।

आनंद विहार-दरभंगा एक्सप्रेस में हुआ हादसाः यह हादसा आनंद विहार-दरभंगा (15558) अमृत भारत एक्सप्रेस में हुआ। मृतक की पहचान बिहार के सीतामढ़ी जिले के बाठौल गांव निवासी रितूराज ठाकुर के रूप में हुई है। वह छठ पर्व मनाने के लिए दिल्ली से दरभंगा जा रहा था। बुधवार सुबह गौर रेलवे स्टेशन के पास उसका शव ट्रैक के किनारे मिला।

पिता की तहरीर पर दर्ज हुआ केसः रितूराज के पिता बब्बन जी ठाकुर की शिकायत पर जीआरपी बस्ती ने दो यात्रियों - अमृत यादव उर्फ माझी कुमार और रीतू राज राय (दोनों निवासी सीतामढ़ी, बिहार) - के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, दोनों आरोपित ट्रेन के कोच र-9 में सवार थे और उनके पास जुगाड़ से बनी पटास बंदूक और पटाखे थे। यात्रा के दौरान उन्होंने पटाखा फोड़ा, जिससे धमाका हुआ और दरवाजे के पास बैठे रितूराज ट्रेन से नीचे गिर गए।

पटास बंदूक और वीडियो मिला सबूतः पुलिस जांच में ट्रेन के अंदर पटाखा फोड़ने की पुष्टि हुई है। ओवरब्रिज के पास चेन पुलिंग कर ट्रेन रोकी गई थी। यात्रियों ने बताया कि कोच के अंदर धमाका हुआ था, जिसके बाद अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान पटास बंदूक बरामद की। बताया गया कि विस्फोट के दौरान एक आरोपित का हाथ और कपड़ा भी जल गया था। दोनों के मोबाइल फोन से पटाखा फोड़ने का वीडियो भी मिला है, जिसे पुलिस ने सबूत के तौर पर जब्त कर लिया है।

जांच में जुटी पुलिसः जीआरपी इंस्पेक्टर पंकज कुमार ने बताया कि घटना की पूरी छानबीन की जा रही है। दोनों आरोपितों की भूमिका की जांच हो रही है। फिलहाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग पीड़िताओं/गुमशुदा को मिशन शक्ति टीम द्वारा अथक परिश्रम से किया गया बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा के निर्देशन में थाना जलापुर मिशन शक्ति टीम द्वारा प्रभारी निरीक्षक गजानन्द चौबे के नेतृत्व में आज दिनांक 26.10.2025 को मिशन शक्ति 5.0 के तहत थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 349/25 धारा 137(2) बीएनएस, मु0अ0सं0 379/25 धारा 137(2) बीएनएस मु0अ0सं0 396/25 धारा 137(2) बीएनएस से सम्बन्धित नाबालिग पीड़िताओ/गुमशुदा को मिशन शक्ति टीम द्वारा अथक परिश्रम से बरामद किया गया एव उनकी काउन्सलिंग की गयी। उक्त कार्य से मिशन शक्ति टीम की क्षेत्र में भूरी भूरी प्रसंशा की जा रही है।

नेत्र परीक्षण शिविर ग्रामीणों के लिए है बेहद लाभदायकः ममता

नेत्र जांच शिविर में 100 लोगों की हुई जांच

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के सिहौली ग्राम में स्थित स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल परिसर में रविवार को अम्बेडर समाज ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया।ट्रस्ट की अध्यक्ष ममता व राष्ट्रीय महासचिव योगेंद्र यादव ने शिविर का उद्घाटन किया।इस दौरान शिविर में लगभग 100 मरीज पहुंचकर निःशुल्क नेत्र परीक्षण कराया।जांच के दौरान कुछ लोगों के आंख में कुछ ना कुछ कमियां मिलने पर चश्मा वितरण करने के साथ ही इलाज कराने के लिए परामर्श दिया गया और 16 लोगों ने मोतियाबिंद की शिकायत मिलने पर उन्हें आपरेशन के लिए चित्रकूट ले जाया गया।इस बाबत मुख्य अतिथि ममता ने कहा कि यह शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद लाभदायक है, क्योंकि आर्थिक तंगी के कारण वे शहर जाकर आंखों की जांच नहीं करा पाते।

शिविर में चित्रकूट के श्रेष्ठ नेत्र चिकित्सालय के विशेषज्ञ डॉ.जयदेव त्रिपाठी,डॉ कमल यादव,नागेन्द्र सिंह,विजय द्विवेदी, राकेश कुमार व आनंद कुमार ने मरीजों की जांच की और निःशुल्क दवा, आई ड्रॉप वितरण किया। शिविर को सफल बनाने में एडो. समता विंद, रामफेर शर्मा, सुभावती देवी, नीलम सरोज, गोविंद कुमार, देवेंद्र प्रताप, फौजी सुभाष यादव, अरविंद कुमार यादव, विनोद कुमार, अमित यादव जीतेंद्र कन्नौजिया, धर्मेन्द्र कुमार, पवन पाठक व गुड़िया राज ने अहम भूमिका निभाई।

शिवप्रताप सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

मुंबई। सदस्य टी.ए.सी., संचार मंत्रालय, भारत सरकार तथा परिवर्तन संघटना के संस्थापक शिवप्रताप सिंह का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ नालासोपारा (पूर्व) स्थित श्री बालाजी बँकेट हॉल में मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर शिवप्रताप सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में समाजसेवक, समाजसेविका, परिवर्तन संघटना, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन, शिवसेना (शिंदे गट), गृह संकुल महाराष्ट्र व मुंबई से जुड़े कई गणमान्य उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से श्रद्धा गोरगे, सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), अमित गोरगे, मंगेश कांबळे तथा अँड. स्नेह दुबे सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम के अंत में शिवप्रताप सिंह ने सभी आगंतुकों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

आत्मिका दुबे को चाइल्ड एजुकेशन एंड हेल्थ केयर फाउंडेशन ने एमपी का डायरेक्टर नियुक्त किया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए काम करने वाला एनजीओ चाइल्ड एजुकेशन हेल्थ केयर फाउंडेशन, मुंबई ने आत्मिका दुबे को मध्यप्रदेश का डायरेक्टर नियुक्त किया है। जबलपुर की रहने वाली आत्मिका दुबे इंग्लैंड की प्रसिद्ध कार्डिफ यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन से ग्रेजुएट और मनोविज्ञान से पोस्ट ग्रेजुएट हैं। साथ ही साथ एक अच्छी कॉन्टेंट राइटर हैं। आत्मिका के पिता आचार्य डॉक्टर ज्योति प्रकाश दुबे हिंदी के बड़े कवि और साहित्य कार होने के साथ साथ जानेमाने ज्योतिषी, मोटिवेशनल स्पीकर और काउंसलर भी हैं। कई वर्षों से लंदन में निवास कर रहे हैं। आत्मिका दुबे की नियुक्ति पर एनजीओ के मैनेजिंग ट्रस्टी मनोज राय सहित ढेर सारे लोगों ने बधाई दी है।

भाजपा नेता जितेंद्र स्वामी ने किया छठ सामग्री का वितरण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शहर के दूधी टोला में अपने कार्यालय परिसर में भाजपा नेता जितेंद्र स्वामी ने छठ पूजन सामग्री का वितरण छत व्रतियों के बीच किया। भाजपा नेता ने हल्दी, आदि, नारियल व वस्त्र का वितरण छठ व्रतियों के बीच किया। उन्होंने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ सामाजिक सद्भावना, एकता व पवित्रता का प्रतीक है। यह पर्व हमें सामाजिक समरसता का संदेश देता है उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों के प्रति सम्मान वो उनकी सेवा ही धर्म होना चाहिए।

इलेक्ट्रिक की दुकान के ऊपर लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

नौपेड़वा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय बाजार में शनिवार की शाम करीब सात बजे एक इलेक्ट्रिक की दुकान के ऊपर स्थित कमरे में अचानक आग लग गई, जिससे दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग लगते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को सूचना दी। बाजार के युवकों ने साहस दिखाते हुए किसी तरह ऊपर पहुंचकर शटर का ताला तोड़ा, लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। कमरे में रखा इलेक्ट्रिक सामान धू-धू कर जलने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। वहीं, बदलापुर से पहुंचे दमकलकर्मियों ने पानी की मदद से आग को ठंडा किया।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं स्व. इंदिरा गाँधी की पुण्यतिथि समारोह 31 अक्टूबर को

मुंबई। देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री,भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी की 41 वीं पुण्यतिथि पर समारोह का आयोजन युवा ब्रिगेड असोसिएशन एवं मुलुंड कांग्रेस द्वारा शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 को सायं 5 बजे से जी. एस. शेट्टी हॉल, नवभारत स्कूल के सामने,नेताजी सुभाष रोड़, मुलुंड प. किया गया है। इस अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. विवेक कोरडे (राष्ट्रीय प्रवक्ता - अ. भा. कांग्रेस कमिटी) प्रमुख अतिथि के रूप में मुंबई कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी के तिवारी, गोविन्द सिंह, महासचिव राकेश शेट्टी, डॉ.आर. आर. सिंह, उत्तम गीते, उपाध्यक्ष कुमार नायर, जिलाध्यक्ष केतन शाह उपस्थित रहेंगे।

सम्मानित अतिथि के रूप में समाजसेवी एस. के. पटेल, के. एन सिंह,डॉ. बाबूलाल सिंह, रमाशंकर तिवारी, बीरेंद्र पाठक,उपस्थित रहेंगे। आयोजक डॉ. सचिन सिंह संतोष सिंह, अरविन्द यादव ने अपील किया है कि आप अपने व्यस्त कार्यक्रम में से थोड़ा समय निकाल कर इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने हेतु अवश्य भाग ले।

बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज के बंगरा में छठ पूजा महापर्व पर खारना का प्रसाद बनाती व्रती महिलाएं।
छाया : उत्तरशक्ति

गुंडो से बिहार बदनाम था, नीतीश ने लाया सुशासन : मनीष वर्मा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सीवान जिला के 112 महाराजगंज विधानसभा में 6 नवंबर को मतदान होगा। महाराजगंज के कसदैवरा में जदयू कार्यालय में जदयू पंचायत स्तर व आम जनता को संबोधित करते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा ने कहा कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने बिहार में सुशासन की शुरूआत की, जिससे राज्य में विकास और कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ। बताया जाता है कि मनीष वर्मा एक आईएएस अधिकारी हैं जो नीतीश कुमार के करीबी माने जाते हैं ।हाल ही में जेडीयू में शामिल हुए हैं। उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है और नीतीश कुमार के उत्तराधिकारी के रूप में चर्चा में हैं। मनीष वर्मा की पहचान एक तेजतर्रार अधिकारी के रूप में है और उन्होंने बिहार में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। अपने संबोधन में कहा कि नीतीश कुमार अपने कार्यकाल में गर्भ में पालने वाले बच्चे से लेकर मनुष्य के मरने तक सरकारी राहत देने की बात सोचते है। स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की पढ़ाई की जिम्मेवारी, जीवन यापन की बारे में सोच रखते है। वृद्ध जानो विधवाओं के पेंशन की बढ़ोत्तरी 5 सौ से बढ़ाकर 11 सौ प्रति माह किया। किसानों के खेती के लिए अनेकों प्रकार की योजनाएं चलाया। मवेशी रखने वाले किसानों की कई योजनाएं चलाई है। उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा लोन। महिलाओं के अपने रोजगार के सृजन के लिए कई योजनाएं चलाया है।

जदयू नेता सह सीवान संसद के पूर्व प्रतिनिधि अजय सिंह ने कहा नीतीश कुमार जंगल राज्य को हटा कर समतामूलक समाज बनाया है, बिना डर के महिलाएं अपनी आवश्यक सामानों की खरीदारी स्वयं करती हैं। कार्यक्रम में सीवान जिला के युवा अध्यक्ष प्रमोद पटेल, बिहार संगठन सदस्य विजय वर्मा, हरिशंकर आशीष, डॉ गौरव कुमार, अमित कुमार, दिलीप कुमार, न्यूलाल सिंह कुशवाहा, राजीव कुमार सिंह, जदयू नेत्री निर्मला जायसवाल, शेषनाथ सिंह, अमीर कुमार पाल आदि सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल थे।

गोमती प्रसाद तिवारी का दुखद निधन

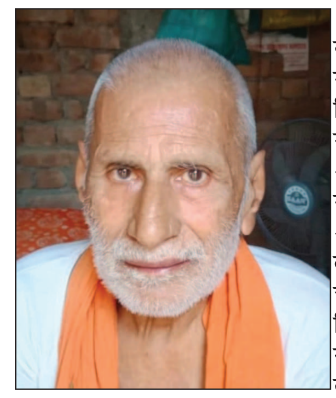

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम नरेंद्रपुर के निवासी मुंबई रेलवे विभाग में ड्राइवर पद से सेवानिवृत्त गोमती प्रसाद तिवारी का 25 अक्टूबर को रात 7:00 बजे हृदय गति रुक जाने से मुंबई में आकस्मिक निधन हो गया। वे लगभग जीवन के 75 वर्ष पूर्ण कर चुके थे। उनके निधन की खबर मिलते ही उनके परिवार गांव तथा सगे -संबंधियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी है ।उनके दो पुत्र मनोज कुमार और बबलू एक पुत्री पूजा एवं पौत्र अमन तथा नमन तिवारी हैं ।बड़े पुत्र मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि पिताजी अत्यंत विनम्र, मृदुभाषी तथा ईश्वर में असीम श्रद्धा रखने वाले थे ।मनोज तिवारी के चाचा जगदीश प्रसाद तिवारी, प्रेम चंद्र तिवारी ,सरजू प्रसाद तिवारी, भागीरथी तिवारी ,हरिकेश तिवारी, राजेश तिवारी, राकेश तिवारी, मुकेश तिवारी गंगा प्रसाद तिवारी मुन्ना तिवारी ,दुलार मणि तिवारी, श्रृंगार मणि तिवारी ,लालमणि तिवारी,संपादक राकेश मणि तिवारी ,भोलानाथ तिवारी, बब्बन तिवारी , प्रमोद तिवारी,रमेश चंद्र शुक्ल, विद्यालय प्रबंधक संतोष कुमार (मुन्ना शुक्ल)एवं समाजसेवी मिथिलेश दुबे समेत अनेक लोगों ने स्वर्गीय गोमती प्रसाद तिवारी को नमन करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

जिला पंचायत अध्यक्ष, एमएलसी एवं उप जिलाधिकारी ने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता 2025 के अंतर्गत जगतपुर इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या व एम एल सी धर्मेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी राजातालाब शान्तनु कुमार सिसिरवार , संदीप सिंह मिन्टू अशोक कुमार सिंह , खण्ड शिक्षा अधिकारी शशिकांत श्रीवास्तव, खण्ड विकास अधिकारी सुरेन्द्र कुमार यादव,अजय कुमार सिंह प्रबंधक जगतपुर इंटरकॉलेज ,प्रधानाचार्य विपिन चन्द्र राय ने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता 2025 के तहत ब्लॉक स्तरीय खेलों में 19 प्रकार के खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दूसरे दिन 1794 खिलाड़ियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया और 172 प्रतिभागी विजेता घोषित किये गए। जिसमें से प्रतियोगिता के दूसरे दिन कुल पांच आयु वर्गों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई इसमें ,अंडर 11 कबड्डी में प्रतापपुर बालक वर्ग में भिमचन्डी बालिका वर्ग में, 11 से 14 वर्ष में कचनार तथा बालिका वर्ग में काशीपुर, 14 से 18,मे हरदत्तपुर ,बेनीपुर 18से 40 कृष्णदत्तपुर तथा 40 वर्ष से अधिक कचनार,एवं खो खो में क्रमशः पयागपुर ,बसंतपुर ,भवानीपुर ,कचनार, पयागपुर वालीबाल में पयागपुर ,कचनार जक्खिनी बैडमिंटन में भवानीपुर ,जक्खिनी हरदत्तपुर चिन अप में बेनीपुर बसंतपुर ,भवानीपुर ,योग में सुइचक न्यायपंचायत के प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया किया। प्रतियोगिता सम्पन्न करने में विशेष रूप से घनश्याम चोटीवाला, चन्द्रमणि पाण्डेय सुरेन्द्र कुमार सिंह, अरबिन्द कुमार सिंह, विवेक कुमार, मनीष कुमार सिंह, राजदेव एवं समस्त नोडल संकुल खेल अनुदेशकों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

शुक्रवार की रात चोरों ने महिला को चाकू दिखाकर नकदी और जेवरात लूटे

फूलपुर। कोतवाली क्षेत्र के दसमड़ा गांव में शुक्रवार की रात चोरों ने एक घर में महिला को चाकू दिखाकर नकदी और गहनों समेत लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी मुताबिक दसमड़ा गांव निवासी वीरेन्द्र पंजाब में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं। शुक्रवार को वे अपने घर लौटे थे। उनके भाई सिकंदर मुंबई में रहते हैं। रात में सिकंदर की पत्नी अपने बच्चे के साथ कमरे में सोई हुई थी, जबकि वीरेंद्र परिवार के साथ बरामदे के पास वाले कमरे में सोए थे। रात करीब बारह बजे, किसी ने पास के घर में ईंट का टुकड़ा फेंका, जिससे गांव के लोग सचेत हो गए और शोर सुनकर वहां पहुंच गए। इसी दौरान चार की संख्या में चोर घर के पीछे से दीवार फांदकर भीतर घुस गए।

उन्होंने सिकंदर की पत्नी को चाकू दिखाकर अलमारी में रखे गहने और नकदी लूट लिए। चोरी गए जेवरों की कीमत दो लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। इसके अलावा बक्से में रखे बुजुर्ग मां के पायल और दो हजार रुपये नकद भी चोर उठा ले गए। सूचना मिलने पर कोतवाल सच्चिदानंद अपने दल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर प्राप्त हो गई है, मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

अवनीश तीर्थराज सिंह ने किया कार्यालय का उद्घाटन

मुंबई। मुंबई कांग्रेस उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ जिला कार्यालय का उद्घाटन करते हुए मुंबई कांग्रेस उपाध्यक्ष व प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अवनीश तीर्थराज सिंह ने कहा कि यह कार्यालय उत्तर भारतीयों के समाधान का केंद्र बनेगा। शनिवार को दिंडोशी में

उत्तर पश्चिम उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह कार्यालय उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के ज़िला संगठन के विस्तार में मील का पत्थर साबित होगा और पूरे ज़िला में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का काम करेगा। सिंह ने उत्तर पश्चिम जिला अध्यक्ष गिरीश चौबे कि प्रशंसा करते हुए कहा कि इनके नेतृत्व में इस कार्यालय से पूरे जिले में कांग्रेस पार्टी मजबूती से आगे बढ़ेगी। यह सिर्फ.एक कार्यालय का शुभारंभ नहीं, बल्कि उन तमाम लोगों की समस्याओं के समाधान का एक केंद्र है, जहाँ लोग आकर अपनी बुनियादी समस्याओं का निवारण कर सकेंगे। इस अवसर जिला अध्यक्ष भावना जैन, मुंबई कांग्रेस उपाध्यक्ष क्लाइव डायस, इंदु प्रकाश तिवारी, सेवादल कार्याध्यक्ष धनंजय तिवारी, महासचिव संतोष सिंह, सचिव अनंत जाधव, महिला जिला अध्यक्ष सीमा सिंह, प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष व आयोजक गिरीश चौबे आदि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

छठ महापर्व भारत की एकता का सबसे बड़ा और सुंदर उदाहरण है : प्रधानमंत्री

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति) । छठ का महापर्व संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतिबिंब है। छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है। ये दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। अगर मौका मिले तो सभी लोग छठ उत्सव में एक बार जरूर भाग लें। उक्त बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम के 127 में एपिसोड में कहा जिसे पूरे देश के साथ-साथ रेणुकूट में भी विभिन्न स्थानों पर सुना गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने छठ के अलावा उड़ीसा के कोरापुट की कॉफी, जीएसटी में कटौती से होने वाली बचत, बेंगलुरु के इंजीनियर कपिल शर्मा के द्वारा झीलों और कुओं के किए जा रहे कायाकल्प, आगामी 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर होने वाले रन फार यूनिटी कार्यक्रम, राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष में प्रवेश, भगवान बिरसा मुंडा व अन्य विषयो पर चर्चा की।

इस मौके पर भाजपा नेता राज वर्मा ने कहा कि वास्तव में यह प्रधानमंत्री मोदी का संवाद सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की धड़कन है, जो नए भारत की आकांक्षाओं और संकल्पों को स्वर देता है। इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष प्रेम शंकर रावत, सभासद सोनू शाह, धर्मेंद्र शर्मा, श्रवण कुमार, रविंद्र नागर, अरुण कुमार सिंह वह अन्य कार्यकर्तागण एवं आम जन उपस्थित रहे।

जौनपुरः जमीनी विवाद में पिता-पुत्र पर हमला, दोनों गंभीर सात के खिलाफ जानलेवा हमला का मुकदमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के करमही गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुए संघर्ष में 68 वर्षीय वृद्ध और उसके पुत्र को लोहे की रॉड व लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना में दोनों के सिर फट गए। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, करमही गांव निवासी जुगल किशोर मिश्र (68) और उमेश मिश्र के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा था। आरोप है कि 13 अक्टूबर की शाम करीब साढ़े चार बजे जुगल किशोर मिश्र अपने बेटे विष्णु सहाय मिश्र (28) के साथ खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर उमेश मिश्र के घर के घनश्याम, नवीन सहित सात लोग लोहे की रॉड व लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और दोनों पिता-पुत्र पर हमला कर दिया।

हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल होकर खेत में गिर पड़े। सूचना पर डायल 112 पुलिस और हल्का सिपाही मौके पर पहुँचे। दोनों घायलों को सीएचसी चोरसंड भेजा गया, जहाँ से हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के बाद स्वस्थ होने पर पीड़ित वृद्ध जुगल किशोर मिश्र ने शनिवार को थाने में नामजद तहरीर दी। वहीं, घायल विष्णु सहाय मिश्र ने आरोप लगाया कि हल्का प्रभारी दरोगा उमेश चंद पांडेय मुकदमे में सुलह समझौता का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि दरोगा घटना के दूसरे दिन उनके घर भी पहुँचे थे, जिसकी शिकायत थानाध्यक्ष जफराबाद से की गई है। थानाध्यक्ष जफराबाद ने बताया कि तहरीर के आधार पर उमेश मिश्र, नर्बदेश मिश्र, घनश्याम मिश्र, मीना मिश्र, खुशबू देवी, विनीत व नवीन मिश्र के खिलाफ धारदार हथियार से जानलेवा हमला सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दबिश दी जा रही है। सीओ सिटी ट्रेनी आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने बताया कि, घायल पक्ष के तहरीर देने पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। यदि हल्का प्रभारी पर लगाए गए आरोप सही पाए गए, तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू, आज अस्ताचलगामी सूर्य को देंगे अर्घ

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। लोक आस्था के महापर्व छठ का दूसरा दिन रविवार को खरना के रूप में भक्ति, अनुशासन और आत्मसंयम की अनुपम छटा लेकर आया। प्रातः से ही व्रतियों ने पूर्ण संयम के साथ निर्जला उपवास का संकल्प लिया और सूर्यास्त के समय खरना पूजा-अर्चना कर भगवान सूर्य को नैवेद्य अर्पित किया। इस पवित्र क्षण में आस्था, शुद्धता और आत्मनियंत्रण का संगम दिखाई दिया, हर घर, हर घाट और हर हृदय सूर्य की भक्ति में झूम उठा। मिट्टी के चूल्हों पर आम की लकड़ियों से जब खीर चढ़ी तो पूरे मोहल्ले में गुड़ और चावल की मीठी सुगंध फैल गई। इससे पूरा वातावरण आस्था में सराबोर दिखा. वाराणसी, मिजार्पुर, गाजीपुर, बलिया और भदोही के घाटों पर भी व्रती परिवार कल से सांझ-अर्घ्य की तैयारी में जुट गए हैं। घाटों की सफाई, सजावट और दीयों की पंक्तियाँ इस बात की गवाही दे रही हैं कि कल डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के समय पूरी धरती सूर्य के रंग में रंगी होगी। संध्या बेला में जब व्रतियों ने वस्त्र घारण कर दीयों की पंक्तियों के बीच सूर्यदेव को नमन किया, तो हर घर से लोकगीतों की गूंज सुनाई दी, छठी मइया आयीं अंगना, भइल सोनवां जइसन उजियारा...। उनके होंठों पर भक्ति का संगीत था, कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगिया लचकत जाय...पानी में डूबल सुरज देव, सुन ले अरज हमर...। चारों ओर दीपों की पंक्तियां टिमटिमा रही थीं और वातावरण में गूंज रहा था छठी मइया का जयगान। प्रसाद ग्रहण कर व्रतियों ने उसे परिवार और पड़ोस में बांटा, इसी के साथ शुरू हुआ 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास, जो अब उगते सूरज की आराधना तक चलेगा। सोमवार को व्रतियां अस्ताचलगामी सूर्य को और मंगलवार की भोर में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगी। इसी के साथ

छठ महापर्व की पवित्र परिक्रमा पूर्ण होगी। शहर से लेकर देहात तक में भक्ति और उल्लास का वातावरण व्याप्त है। इस अवसर पर हर घाट और हर तालाब आस्था की रोशनी से जगमगा उठा है। जिन घरों में छठ का व्रत रखा गया है, वहां दीप-सजावट, रंगोली और पूजा की तैयारियों से आंगन निखर उठे हैं। हर गली, हर घाट, हर आंगन में आज भक्ति का उजास फैला है। बाजारों में भी दिनभर रौनक रही। लोगों ने केला, नारियल, केतारी, गन्ना और पूजा-सामग्री की खरीदारी की। महिलाएं गीत गुनगुनाते हुए उत्साह से प्रसाद की तैयारी में लगी रहीं। घाट, तालाब, नदी जैसे प्रमुख छठ स्थलों को दीपों, पताकाओं और फूलों से सजाया गया है। नगर प्रशासन ने घाटों की सफाई, चेंजिंग रूम, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की है। गहरे पानी वाले स्थानों को लाल फीते से बेरिकेट किया गया है ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा बनी रहे। खरना केवल भोजन या व्रत का दिन नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, संयम और सादगी का अनुष्ठान है। खरना वह क्षण है जब मनुष्य अपने भीतर झांकता है, अपनी इच्छाओं को साधता है और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि भक्ति केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि अनुशासन, त्याग और प्रेम में बसती है। दिनभर निर्जला रहकर शाम को जब व्रती प्रसाद ग्रहण करती हैं, तो यह केवल व्रत का समापन नहीं, बल्कि नई ऊर्जा का आरंभ होता है। प्रसाद के रूप में बनी खीर-रोटी और केले को सभी परिवारजनों और पड़ोसियों में बांटना, सामाजिक एकता और साझेपन की उस परंपरा को जीवित रखता है, जो छठ को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि लोक-सांस्कृतिक उत्सव बनाता है। गांव से लेकर शहर तक आज हर आंगन में श्रद्धा की लौ जली। गंगा तटों पर साफ-सफाई, सजावट और दीपों की पंक्तियां कल के सांझ-अर्घ्य की तैयारी का संकेत दे रही हैं। व्रती परिवार कल सूर्यास्त के समय जब अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे, तब पूरा पूर्वांचल एक साथ सूर्योपासना में नतमस्तक होगा।